मुंबई, जबलपुर, कटनी, मंडला, भोपाल, रायपुर, इंदौर,दिल्ली, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष-02 अंक-175 ●मुंबई ●शुक्रवार , 13 नवम्बर , 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ●कार्तिक शुक्ल पक्ष 4 ● विक्रम संवत् 2083

हार मान लेना कमजोरी है, और आगे बढ़ना ताकत की निशानी है।

महादेव सट्टा ऐप का मास्टरमाइंड सौरभ चंद्राकर आज ईडी कोर्ट में होगा पेश रिमांड पर लेने की तैयारी



रायपुर, यशभारत। महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप महादेव सट्टा ऐप का मास्टरमाइंड सौरभ चंद्राकर आज ईडी कोर्ट में होगा पेश, रिमांड पर लेने की तैयारी मामले के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को शुक्रवार को प्रोडक्शन वारंट पर रायपुर जेल से ईडी की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। सीबीआई की विशेष अदालत में आवेदन खारिज होने के बाद ईडी ने रायपुर की विशेष अदालत में उसे पेश करने के लिए आवेदन लगाया था, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। अब ईडी सौरभ को कस्टोडियल रिमांड पर लेकर पूछताछ करने की तैयारी में है। जांच एजेंसी का मानना है कि सौरभ से पूछताछ में ऑनलाइन सट्टे के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क, हवाला के जरिए हुए करोड़ों के लेन-देन और कथित प्रोटेक्शन मनी से जुड़े कई अहम खुलासे हो सकते हैं।

दरअसल, आठ दिन की सीबीआई रिमांड समाप्त होने के बाद सौरभ चंद्राकर को गुरुवार को रायपुर की विशेष अदालत में पेश किया गया। सीबीआई ने इस बार उसकी दोबारा कस्टडी की मांग नहीं की और उसे न्यायिक रिमांड पर भेजने का आग्रह किया। अदालत ने सौरभ को 19 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया। इसके बाद अब ईडी ने उसे अपनी जांच के सिलसिले में पूछताछ के लिए अदालत में पेश करने की अनुमति हासिल कर ली है। शुक्रवार को पुलिस और जांच एजेंसियों की टीम उसे रायपुर जेल से कड़ी सुरक्षा के बीच कोर्ट लेकर पहुंचेगी।



खाद्य महंगाई 8.94 फीसदी हुई, प्याज के दाम 116 फीसद उछल

नई दिल्ली,एजेंसी। अक्टूबर में महंगाई से राहत की उम्मीद लगाए बैठे आम लोगों को बड़ा झटका लगा है। सब्जियों, अनाज और खाने-पीने की दूसरी वस्तुओं की कीमतों में तेजी के चलते देश में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 6.09 फीसदी पर पहुंच गई है। सितंबर में यह 5.54 फीसदी थी। इस तरह एक महीने के भीतर महंगाई में 0.55 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। खास बात यह है कि करीब दो साल बाद खुदरा महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की निर्धारित 6 फीसदी की ऊपरी सीमा को पार कर गई है। इससे आम परिवारों का घरेलू बजट बिगड़ने के साथ ही केंद्रीय बैंक के सामने भी नई चुनौती खड़ी हो गई है।सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में खाद्य महंगाई दर बढ़कर 8.94 फीसदी हो गई, जबकि सितंबर में यह 7.74 फीसदी थी। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी का सीधा असर आम उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी करीब 40 फीसदी है। ऐसे में सब्जियों, अनाज और अन्य खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ने से कुल खुदरा महंगाई पर भी तेजी से असर पड़ता है।

प्याज के दाम सालाना आधार पर 116.22 फीसदी बढ़ गए। इसके अलावा लहसुन 60.74 फीसदी, अदरक 48.32 फीसदी और नींबू 47.30 फीसदी महंगे हुए। चांदी के आभूषणों की कीमतों में भी 52.39 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। रसोई में रोजाना इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं के दाम बढ़ने से मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है।महंगाई के आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले एक साल में इसमें लगातार बढ़ोतरी का रुख दिखाई दे रहा है।

मुंबई-पुणे में बम की धमकियों से हड़कंप, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

महापौर कार्यालय को भेजे ई-मेल में दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को भी निशाना बनाने की चेतावनी

मुंबई, यश भारत । महाराष्ट्र में बम की धमकियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पहले मुंबई के कई महत्वपूर्ण स्थानों को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिला और इसके कुछ समय बाद पुणे महानगरपालिका में बम रखे होने की सूचना वाला ई-मेल पहुंच गया। लगातार दो शहरों को निशाना बनाने की धमकियों से पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। दोनों शहरों में सुरक्षा जांच तेज कर दी गई है। मुंबई में भेजे गए धमकी भरे ई-मेल में कई महत्वपूर्ण स्थानों का उल्लेख किया गया था। इनमें बैंक, अदालत, फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन का बंगला, मुंबई महापौर कार्यालय, छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, महालक्ष्मी रेसकोर्स



और सीएसएमटी बस स्टेशन शामिल हैं। मुंबई महानगरपालिका का भी ई-मेल में उल्लेख होने के कारण प्रशासन ने विशेष सतर्कता बरती।धमकी मिलने के बाद बम खोजी एवं निरोधक दस्ते ने मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय में जांच अभियान चलाया। पूरे परिसर की तलाशी लेने के साथ महापौर कार्यालय की विशेष रूप से जांच की गई। विभिन्न उपकरणों की मदद से संदिग्ध वस्तुओं की तलाश की गई। हालांकि, जांच के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।मुंबई के बाद पुणे महानगरपालिका को भी बम रखे होने की धमकी वाला ई-मेल मिला। सूचना मिलते ही बम खोजी एवं निरोधक दस्ता महानगरपालिका परिसर पहुंचा और तलाशी अभियान शुरू किया। परिसर के विभिन्न हिस्सों की बारीकी से जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में यहां भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।पिछले कुछ दिनों से देश के विभिन्न हिस्सों में अदालतों और महत्वपूर्ण संस्थानों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ई-मेल मिल रहे हैं। मुंबई में भी इस तरह की धमकियां पहले मिल चुकी हैं। हर बार सुरक्षा एजेंसियों को व्यापक जांच अभियान चलाना पड़ता है।फिलहाल मुंबई और पुणे में धमकी भरे ई-मेल भेजने वाले की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस के साथ महाराष्ट्र साइबर सेल भी मामले की जांच कर रहा है। ई-मेल के स्रोत का पता लगाने और इसके पीछे जिम्मेदार लोगों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

"राष्ट्रवादी में फूट की बात बेबुनियाद"

तटकरे बोले, सभी 41 विधायक सुनेत्रा पवार के साथ



मुंबई, यश भारत। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार गुट) में संभावित फूट की चर्चाओं के बीच प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने पार्टी में किसी भी तरह के विभाजन की संभावना से इनकार किया है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी पूरी तरह एकजुट है और सभी 41 विधायक उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के साथ मजबूती से खड़े हैं।तटकरे ने शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के सांसद संजय राऊत के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि अजीत पवार गुट के 20 से 22 विधायक कभी भी पार्टी छोड़कर शरद पवार गुट में शामिल हो सकते हैं।

राऊत पर निशाना साधते हुए तटकरे ने कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद से वे रोज सुबह उठकर काल्पनिक कहानियां गढ़ रहे हैं और राजनीतिक माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी का कोई भी विधायक दूसरे गुट में शामिल नहीं होने जा रहा है।दोनों राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टियों के विलय की चर्चाओं पर तटकरे ने कहा कि सुनेत्रा पवार इस मुद्दे पर पहले ही अपना रुख स्पष्ट कर चुकी हैं। उनके इस बयान को पार्टी में एकजुटता का संदेश देने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

पेपर लीक रोकने NTA का बड़ा फैसला

रिटायर्ड फौजियों की निगरानी में होंगी JEE-NEET जैसी परीक्षाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी को रोकने के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) लगातार बड़े कदम उठा रही है। अब एजेंसी परीक्षा की शुचिता को बनाए रखने और एस्पिरेंट्स को भरोसा जीतने के लिए रिटायर्ड फौजियों की मदद लेने का फैसला किया है। सेना और पैरामिलिट्री से रिटायर्ड को JEE, NEET, NET, CUET जैसी बड़ी परीक्षाओं की निगरानी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

दरअसल, नीट यूजी मई पेपर लीक के चलते विवादों में घिरने के बाद, एनटीए बड़े पैमाने पर सुधार और बदलाव कर रही है। 21 जून 2026 को नीट यूजी री-एग्जाम में लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्ट में सेना की मदद लेने के बाद, अब एनटीए आगे भी सेना की मदद लेने पर विचार रही है।एनटीए स्वतंत्र पर्यवेक्षकों (ऑब्जर्वर्स) का एक परमानेंट पूल तैयार कर रही है, जिसमें सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक बलों के सेवानिवृत्त कर्मी, केंद्र और राज्य सरकारों के सेवानिवृत्त अधिकारी शामिल होंगे। एनटीए के एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (EOI) डॉक्यूमेंट में कहा गया है, हर परीक्षा के दिन, NTA हर परीक्षा केंद्र पर एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर) तैनात करता है। ये ऑब्जर्वर सेंटर पर NTA का अपना प्रतिनिधि करेंगे, जो सिटी कोऑर्डिनेटर और सेंटर सुपरिंटेंडेंट से अलग होंगे। इनका काम परीक्षा की निष्पक्षता, सुरक्षा और सुचारू संचालन की निगरानी करना और सीधे NTA को रिपोर्ट करना होगा।

इसमें आगे कहा गया है, पूरे साल चलने वाली परीक्षा प्रक्रिया के दौरान इस जरूरत को समय पर और भरोसेमंद तरीके से पूरा करने के लिए, NTA पर्यवेक्षकों का एक स्थायी और पहले से सत्यापित (pre-verified) पूल बनाना चाहता है। इसमें सरकारी संस्थानों के सेवानिवृत्त या कार्यरत शैक्षणिक और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल होंगे। इस पूल से, हर परीक्षा के लिए काफी पहले ही तैनाती के आदेश जारी किए जा सकेंगे।

न शटर तोड़ा, न ताला खोला... दीवार में सेंध लगाकर करोड़ों के गहने ले उड़े चोर

कटनी के किसना ज्वेलरी शोरूम में बड़ी वारदात ,15 करोड़ की चोरी पुलिस के लिए चुनौती



कटनी, यशभारत। माधवनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बरगवां स्थित एलआईसी के पास किसना ज्वेलर्स शो रूम में हुई करीब 12 से 15 करोड़ की चोरी ने भोपाल स्थित पुलिस मुख्यालय तक सनसनी मचा दी है। खबर है कि पुलिस मुख्यालय में आईजी जबलपुर से वारदात के संबंध में पूरी जानकारी मांगी है। एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने कई घंटे रुककर किसना शो रूम और पीछे लगी पहाड़ी और झाड़ियों में जाकर तफ्तीश की। पुलिस सूत्रों के मुताबिक कटनी में अब तक की सबसे बड़ी चोरी की वारदात में किसी बाहरी चोर गिरोह का हाथ भी हो सकता है। वारदात की टाइमिंग और तरीके से जाहिर होता है कि चोर पूरी तैयारी से थे और उन्होंने करीब दो तीन दिन शो रूम की रैकी भी की होगी।

शो रूम मेन रोड पर है, लेकिन इसका पिछला हिस्सा रात्रि के बाद सुनसान इलाके में तब्दील हो जाता है। इसके अलावा झाड़ियां और पहाड़ी भी लगी हुई है। चोरों ने इत्मीनान से पीछे की दीवार में छेद किया और अंदर घुसे। चोर अपने साथ अलमारी या काटने का पूरा इंतजाम भी करके आए थे। पुलिस को गैस सिलेंडर भी मिले है, जिससे जाहिर हो रहा है कि लॉकर काटने के लिए उन्होंने गैस कटर का इस्तेमाल किया होगा।पुलिस सूत्रों के मुताबिक वारदात रात्रि 3 बजे से 6 बजे के बीच की है। वारदात को अंजाम देने वाले शातिर चोर 4 या उससे ज्यादा रहे होंगे। पीछे से शो रूम में घुसने के बाद वहां रखे सोने, चांदी तथा डायमंड के कीमती आभूषण लेकर किसी चार पहिया वाहन से फरार हुए होंगे। डॉग स्क्वाड सारी निशानदेही की पतासाजी कर रही है। बताया जाता है कि दीपावली के त्योहार के चलते शोरूम में करोड़ों रुपये का अतिरिक्त स्टॉक रखा हुआ था। शो रूम संचालक मोहन बजाज ने मीडिया को बताया कि चोरी गए आभूषणों की कीमत 12 से 15 करोड़ रुपये के बीच हो सकती है। उन्होंने कहा कि सारे आभूषण का रिकॉर्ड कम्प्यूटर पर होता है, जिसके आधार पर अनुमान लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सुबह 11 बजे जब शो रूम के कर्मचारियों ने शटर उठाया, तब उन्हें इसकी जानकारी लगी तो उन्होंने तत्काल फोन पर सूचना दी। इस बड़ी वारदात से शहर के व्यापारिक क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। बड़े शो रूम के संचालक इस वारदात के बाद दहशत में आ गए है। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. कमल मौर्य सहित माधवनगर थाना पुलिस और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और शोरूम के अंदर से लेकर पिछले हिस्से तक का बारीकी से निरीक्षण किया। घटनास्थल से पुलिस को पाना, प्लास और पेचकस सहित कुछ औजार मिले हैं, जिन्हें जब्त कर लिया गया है। साक्ष्य जुटाने फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट और डॉग स्क्वाड की मदद भी ली जा रही है।

ठाणे के कई इलाकों में 24 घंटे बंद रहेगी जलापूर्ति

16 नवंबर को 10 प्रतिशत पानी कटौती का फैसला



ठाणे, यश भारत। संभावित सूखे की आशंका को देखते हुए ठाणे महानगरपालिका (मनपा) ने शहर की जलापूर्ति में 10 प्रतिशत कटौती करने का निर्णय लिया है। इसके तहत सोमवार, 16 नवंबर को सुबह 9 बजे से मंगलवार, 17 नवंबर को सुबह 9 बजे तक ठाणे के कई प्रमुख इलाकों में जलापूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी। इस शटडाउन का असर घोड़बंदर रोड, लोकमान्य नगर, वर्तकनगर, साकेत, ऋतुपार्क, जेल, गांधीनगर, रुस्तमजी, सिद्धांचल, इंदिरानगर, रूपादेवी, श्रीनगर, समतानगर, सिद्धेश्वर, इटर्निटी, जॉन्सन, मुंब्रा और कलवा के विभिन्न इलाकों में पड़ेगा। इन क्षेत्रों में लगातार 24 घंटे पानी की आपूर्ति बंद रहेगी।विशेष बात यह है कि पानी की कटौती केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगी। मनपा प्रशासन ने प्रत्येक सोमवार सुबह 9 बजे से मंगलवार सुबह 9 बजे तक 24 घंटे का शटडाउन लागू रखने का निर्णय लिया है।मनपा प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे शटडाउन से पहले पर्याप्त मात्रा में पानी का भंडारण कर लें। साथ ही, कटौती की अवधि में पानी का उपयोग बेहद सावधानी और जरूरत के अनुसार करें।

अंडर-19 एशिया कप फाइनल भारत-पाकिस्तान फिर 14 नवंबर को खिताबी मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर अंडर-19 एशिया कप का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। 14 नवंबर को होने वाले फाइनल में दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी टीमें आमने-सामने होंगी। पिछले संस्करण के फाइनल में भी भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत हुई थी, जिसमें पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 191 रन के बड़े अंतर से हराकर खिताब अपने नाम किया था। इस बार भारतीय टीम के पास पिछली हार का बदला लेने और खिताब जीतने का मौका होगा। गुरुवार को ओमान के मस्कट में खेले गए पहले सेमीफाइनल में भारत ने अफगानिस्तान को 8 विकेट से करारी शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 9 विकेट से हराकर खिताबी मुकाबले का टिकट हासिल किया। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 8 विकेट पर 227 रन बनाए। टीम की ओर से नुमान सालारजई और शाह फैसल रहीमी ने 51-51 रन की अर्धशतकीय पारियां खेलीं। भारत की ओर से ईशान सूद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 9 ओवर में 43 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। आर्यन सावसानी ने भी 2 विकेट लेकर अफगानिस्तान की रन गति पर अंकुश लगाया।228 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। भारत ने महज 36.5 ओवर में 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने 57 गेंदों में 51 रन की उपयोगी पारी खेली। वहीं कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने 93 रन बनाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। वीके विनीत 57 रन बनाकर नाबाद रहे।



सोनिया ने 1984 के सिख कत्लेआम पर जनरल वैद्य को ठहराया जिम्मेदार, फूलका ने उठाए सवाल

लुधियाना, एजेंसी। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव' के 17वें अध्याय में 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर किए गए खुलासों से पंजाब की राजनीति में विवाद खड़ा हो गया है। सोनिया गांधी ने अपनी किताब में दावा किया है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली में भड़की हिंसा को नियंत्रित करने के लिए सेना बुलाने के आदेश 31 अक्टूबर की रात ही दे दिए गए थे, लेकिन तत्कालीन थल सेनाध्यक्ष जनरल एएस वैद्य ने दिल्ली के नजदीकी सैन्य ठिकानों से सेना बुलाने के बजाय देहरादून से सैन्य टुकड़ियां मंगवाईं। इस फैसले के कारण सेना की तैनाती में देरी हुई और हिंसा पर काबू पाने में समय लगा।



सोनिया गांधी के इन दावों पर भाजपा नेता और 1984 के सिख दंगा पीड़ितों की ओर से कानूनी लड़ाई लड़ने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता एचएस फूलका ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दिल्ली में पहले से ही करीब 6100 सैनिक मौजूद थे, तो उन्हें दंगों के दौरान सड़कों पर क्यों नहीं उतारा गया? फूलका ने यह भी सवाल किया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने हिंसा के बाद यह बयान क्यों दिया था कि जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती थोड़ी हिलती है। उन्होंने कहा कि इस बयान के जरिए सिखों के नरसंहार को जायज ठहराने की कोशिश की गई थी। ऐसे में केवल सेना की देरी को जिम्मेदार बताकर उस समय की राजनीतिक और प्रशासनिक जवाबदेही से बचा नहीं जा सकता। सोनिया गांधी ने अपनी किताब में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद देशभर में बिगड़े हालात और दिल्ली में भड़की हिंसा का जिक्र करते हुए अपने परिवार का पक्ष रखा है। उन्होंने लिखा है कि 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजधानी सहित देश के कई हिस्सों में तनाव फैल गया था। इस दौरान बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोगों को हिंसा का सामना करना पड़ा। किताब के मुताबिक, प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के तुरंत बाद 31 अक्टूबर की रात राजीव गांधी ने राष्ट्रीय टेलीविजन के माध्यम से देश को संबोधित किया था। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और संयम बरतने की अपील की थी। सोनिया गांधी का दावा है कि राजीव गांधी ने एक और दो नवंबर को भी अलग-अलग माध्यमों से लोगों से हिंसा रोकने और शांति बनाए रखने की अपील की थी।सोनिया ने लिखा है कि तत्कालीन थल सेनाध्यक्ष जनरल एएस वैद्य को इंदिरा गांधी की हत्या वाली रात ही दिल्ली में सेना तैनात करने के निर्देश दे दिए गए थे।

किश्तवाड़ से लापता दो SPO के गोलियों से छलनी शव बरामद, हथियार नहीं मिले



किश्तवाड़ , एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले से अचानक लापता हुए दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर (एसपीओ) के शव बरामद होने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। दोनों के शव गोलियों से छलनी हालत में बरामद किए गए हैं. खास बात यह है कि उनके सर्विस हथियार मौके से नहीं मिले हैं. इससे घटना में आतंकियों की संलिप्तता की आशंका जताई जा रही है. हालांकि, अधिकारियों ने अभी किसी आतंकी हमले की पुष्टि नहीं की है. मृतकों की पहचान ऋषिपाल और बॉबी चंद के रूप में हुई है

दोनों स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) का हिस्सा थे और सेना के एक दल को रिलीव करने के लिए जा रहे थे। उनके शव मिलने के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, किश्तवाड़ जिले के मारवाह क्षेत्र के देहरना जंगल में फायरिंग की आवाज सुनाई देने के बाद दोनों एसपीओ अचानक लापता हो गए थे। दोनों कियार दच्छन से अपर रिज देहरना के इंदरवन इलाके में बसनान स्थित सेना की 17 राष्ट्रीय राइफल्स की एक टीम को रिलीव करने के लिए रवाना हुए थे। अधिकारियों के मुताबिक, वे कियार कैंप से ढारना-मारवाह स्थित सेना की चौकी की ओर निकले थे, लेकिन निर्धारित स्थान पर नहीं पहुंचे। शुरुआत में दोनों जवानों के मोबाइल फोन पर संपर्क हो रहा था, लेकिन कुछ समय बाद उनके फोन बंद हो गए। इसके बाद उनकी सुरक्षा और ठिकाने को लेकर चिंता बढ़ गई। पुलिस और सेना की राष्ट्रीय राइफल्स ने संयुक्त रूप से दुर्गम पर्वतीय और जंगल क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। आसपास के इलाकों में सुरक्षा बलों की टीमें तैनात कर दोनों की तलाश की जा रही थी। आखिरकार तलाशी अभियान के दौरान दोनों के शव बरामद हुए। सूत्रों के मुताबिक, दोनों के शरीर पर गोलियों के निशान मिले हैं। इस घटना ने किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं

भैया दूज पर कुर्ला में खूनी वारदात दिनदहाड़े गोली मारकर युवक की हत्या

तीन हमलावरों की तलाश में पुलिस

मुंबई, यश भारत। मुंबई में भैया दूज के पटाखों के बीच कुर्ला पश्चिम के माकड़वाला कंपाउंड में गोलियों की गूंज सुनाई दी। बुधवार दोपहर मोटरसाइकिल सवार तीन हमलावरों ने 33 वर्षीय विनोद पवार पर चार से पांच गोलियां दागकर उसकी हत्या कर दी। इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई। विनोद हलाव पुल के पास रहता था और मुंबई महानगरपालिका के ठोस कचरा प्रबंधन विभाग में ठेका कर्मचारी था। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे सार्वजनिक शौचालय से निकलते समय हमलावरों ने उसे निशाना बनाया। गंभीर हालत में उसे भाभा अस्पताल से सायन अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इस हत्याकांड का संबंध पुरानी रंजिश से होने की आशंका है। करीब छह महीने पहले विनोद के बड़े भाई बाबा पवार की भी इसी इलाके में गोली मारकर हत्या हुई थी। वर्ष 2019 के बिल्ला पवार हत्याकांड में भी विनोद का नाम सामने आया था। विनोबा भावे नगर पुलिस और अपराध शाखा की नौ टीमें हमलावरों की तलाश कर रही हैं। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से जांच जारी है।



छठ पूजा पर जुहू चौपाटी जाने से पहले जान लें ट्रैफिक के नए नियम

15 नवंबर दोपहर से 16 नवंबर सुबह तक कई मार्गों पर प्रतिबंध, वैकल्पिक रास्तों से गुजरेंगे वाहन



मुंबई, यश भारत। छठ पूजा 2026 के मद्देनजर जुहू चौपाटी पर श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए मुंबई यातायात पुलिस ने विशेष व्यवस्था की है। 15 नवंबर को दोपहर 2 बजे से 16 नवंबर को सुबह 11 बजे तक कई मार्गों पर यातायात प्रतिबंध और पार्किंग पर रोक रहेगी। पश्चिमी उपनगर यातायात विभाग के पुलिस उपायुक्त अजित बोरूहाडे ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। जुहू तारा रोड, ए.बी. नायर रोड, बिरला लेन, वी.एम. रोड और जुहू चर्च रोड के दोनों ओर पुलिस तथा अत्यावश्यक सेवाओं के वाहनों को छोड़कर अन्य वाहनों की पार्किंग प्रतिबंधित रहेगी। लिंक रोड से जुहू तारा रोड जाने वाले वाहन सांताक्रूज पुलिस थाना जंक्शन से मुड़कर एस.वी. रोड का इस्तेमाल कर सकेंगे। एन.एस. रोड नंबर 13, जुहू चर्च रोड और अल्फ्रेडो क्रियोडो रोड भी वैकल्पिक मार्ग रहेंगे। जुहू तारा रोड पर पुलिस थाना जंक्शन और ट्यूलिप स्टार होटल जंक्शन से चौपाटी तक जरूरत के अनुसार वाहनों की आवाजाही रोकी जाएगी। छठ पूजा से जुड़े वाहनों को छूट रहेगी। पुलिस ने वाहन चालकों से वैकल्पिक मार्ग अपनाने की अपील की है।



टाइगर श्रॉफ गोलीकांड : आरोपियों को परिजनों से फोन पर बात करने की अनुमति

पुलिस हिरासत 16 नवंबर तक बढ़ी

मुंबई, यश भारत। अभिनेता टाइगर श्रॉफ की जुहू स्थित कार पर गोलीबारी के मामले में विशेष मकोका अदालत ने गिरफ्तार आरोपियों को परिजनों से फोन पर बातचीत करने की अनुमति दे दी है। हालांकि, अदालत ने निर्देश दिया है कि बातचीत की रिकॉर्डिंग नहीं की जाएगी। मामले में गिरफ्तार पांच आरोपी फुलसिंग, रेहान, कुणाल, सुमित और अंकित की पुलिस हिरासत 16 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। वहीं, फरार आरोपी अनिल पंडित की रिश्तेदार सुनेहा पंडित की हिरासत भी इसी तारीख तक कायम रखी गई है। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा वारदात के पीछे की साजिश, आरोपियों के संपर्क और आर्थिक लेन-देन की जांच कर रही है। अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस बीच, कथित शूटर फुलसिंग ने खुद को नाबालिग बताया है। उसके वकीलों ने जन्मतिथि 30 नवंबर 2008 दर्शाने वाले दस्तावेज पेश किए हैं, जबकि पुलिस रिकॉर्ड में उसकी उम्र 19 वर्ष है। उम्र की पुष्टि के लिए पुलिस टीम हरियाणा भेजी गई है। 18 नवंबर को अदालत में रिपोर्ट पेश होगी।

जेल अधिकारियों के पद और वेतनमान में भेदभाव पर उठे सवाल

कारागार विभाग को पुलिस विभाग में शामिल करने की मांग, मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन



मुंबई, यश भारत। महाराष्ट्र के कारागार विभाग में वेतनमान, पदों के दर्जे और समूह वर्गीकरण की विसंगतियों को लेकर विवाद गहराने लगा है। राष्ट्र निर्माण संगठन ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और पुलिस महानिदेशक सदानंद दाते को ज्ञापन सौंपकर इन विसंगतियों को दूर करने तथा पूरे कारागार विभाग को पुलिस विभाग में शामिल करने की मांग की है। संगठन के सचिव निलेश नागोलकर ने यह जानकारी दी। नागोलकर के अनुसार, 12 अक्टूबर 2026 के शासन निर्णय के बाद जेल अधिकारियों और कारागार उपअधीक्षकों के पदों के वर्गीकरण पर सवाल उठे हैं। वर्ष 2009 की भर्ती विज्ञप्ति में जेल अधिकारी का पद समूह-बी (अराजपत्रित) था, लेकिन बाद में इसे समूह-सी कर दिया गया। इससे सेवाज्येष्ठता, पद की प्रतिष्ठा और भविष्य के सेवा लाभ प्रभावित होने की आशंका है। संगठन ने बताया कि मंत्रालय में एस-15 वेतनमान पाने वाले प्रशासन अधिकारी को समूह-बी राजपत्रित का दर्जा है, जबकि समान वेतनमान पर जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में काम करने वाले जेल अधिकारियों को समूह-सी में रखा गया है। संगठन ने इसे प्रशासनिक विसंगति बताते हुए मूल भर्ती के अनुरूप दर्जा बहाल करने की मांग की है।

25 साल से फरार छोटा राजन का करीबी मलेशिया में गिरफ्तार

हेमंत पुजारी की गिरफ्तारी से मुंबई और कर्नाटक के पुराने हत्याकांडों की जांच में खुल सकते हैं कई राज





जय सिंह, यश भारत। छोटा राजन के पूर्व सहयोगी और कुख्यात गैंगस्टर हेमंत पुजारी को मलेशिया में सुरक्षा एजेंसियों ने गिरफ्तार किया है। करीब 25 वर्षों से फरार पुजारी पर मुंबई और कर्नाटक में कारोबारियों, बिल्डरों तथा होटल मालिकों से रंगदारी मांगने और हत्या की साजिशों में शामिल होने के आरोप हैं। मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने उसके मलेशियाई पुलिस की हिरासत में होने की पुष्टि की है। हालांकि, उसकी गिरफ्तारी के आधार की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। वर्ष 1973 में मुंबई में जन्मा पुजारी खार के निर्मल नगर की झुग्गी बस्ती से अपराध जगत तक पहुंचा। वर्ष 1999 में बिल्डर शौकत सरकार की हत्या के बाद उसका नाम चर्चा में आया। बाद में वह छोटा राजन गिरोह का प्रमुख सहयोगी बन गया। उसका नाम जया शेट्टी, मोहम्मद शफी और रत्नाकर शेट्टी सहित कई चर्चित हत्याकांडों में सामने आया था। दक्षिण अफ्रीका में दुर्घटना के बाद उसकी मौत और लकवाग्रस्त होने की खबरें आई थीं। हालांकि, पिछले छह महीनों में मुंबई और कर्नाटक के कारोबारियों को उसके नाम से धमकियां मिलने लगी थीं। कर्नाटक के उडुपी में कारोबारी डेविड डिसूजा की हत्या की जांच में भी उसका नाम सामने आया। अब गिरफ्तारी से पुराने रंगदारी और हत्याकांडों की जांच में नए खुलासों की उम्मीद है।



मरीजों और परिजनों को दिया नाश्ता-मिठाई और महिलाओं को साड़ियां भेंट

मुंबई, यश भारत। टाटा और केईएम अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों की दिवाली खुशहाल बनाने के लिए सौरभ मित्र मंडल ने 'अन्नमित्र सत्कार्य' के तहत 400 लोगों को फराल और 75 महिलाओं को साड़ियां वितरित कीं। अन्नमित्र प्रमुख संजय सोमनाथ शेटये की पहल पर आयोजित इस अभियान में कनाडा से सान्वी स्टेफी अनुप पेडणेकर, आशालता खानोलकर, नुपूर खानोलकर, प्रल्हाद गवरे, उज्वला गवरे, अशोक गोरीवले, सुलभा गोरीवले, विपुलभाई छेड़ा, संजयकुमार रमीना, सुनीता कोटियन, प्रसाद कोरगावकर, जोत्स्ना गुप्ते, दिलीप कदम, मनमोहन निंबालकर, आराध्य राहुल अग्रवाल, हरीशंकर मुलचंद कनौजिया, सत्तार शेख, महेश शेलार, कल्पना वारैया, शीतल सावंत, सायली (पुष्पा) पवार, सुजाता परब, अय्यप्पन कोनार और हणमंत गलडे ने सहयोग दिया। श्रेवी और श्रीशा ने अपनी बचत से मिठाई बांटी। पूर्व महापौर महादेव देवले भी उपस्थित रहे। नम्रता अशोक पाटोले और शलाका सम्राट पाटोले ने बच्चों को प्रेरित किया। कृतिका राजेश सोनावडेकर ने रियायती दर पर फराल उपलब्ध कराया।

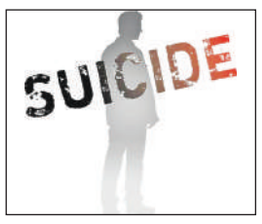
मुंबई की झीलों में आठ साल का सबसे कम जल भंडार, गर्मियों में बढ़ सकती है पानी की किल्लत

- 3 नवंबर को सातों झीलों में 84.35 प्रतिशत पानी शेष
- फिलहाल 10 प्रतिशत कटौती जारी रहेगी



मुंबई, यश भारत। मुंबई में आगामी गर्मियों के दौरान जलसंकट गहराने की आशंका बढ़ गई है। शहर को पानी की आपूर्ति करने वाली सातों झीलों का जलस्तर पिछले आठ वर्षों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। कम जल भंडार और अल नीनो के संभावित प्रभाव को देखते हुए प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के आंकड़ों के अनुसार, 3 नवंबर को सातों झीलों में कुल जल भंडार 84.35 प्रतिशत दर्ज किया गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 95.67 प्रतिशत था। वर्ष 2018 के बाद यह सबसे कम स्तर है। अक्टूबर में बढ़ती गर्मी, कम बारिश और शुष्क हवाओं के कारण झीलों से पानी का वाष्पीकरण तेजी से हुआ। तानसा, मोडक सागर और मध्य वैतरणा में वाष्पीकरण पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुना रहा। बीएमसी के अनुसार, फिलहाल 10 प्रतिशत पानी कटौती जारी रहेगी। मुंबई को प्रतिदिन करीब 4,100 मिलियन लीटर पानी की जरूरत होती है। जलसंकट से निपटने के लिए मध्य वैतरणा बांध में 100 मेगावाट का तैरता सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की योजना भी बनाई गई है।

बीमारी से परेशान पुलिस कांस्टेबल ने फांसी लगाकर की आत्महत्या



मुंबई, यश भारत। मुंबई पुलिस दल में कार्यरत दिंडोशी पुलिस थाने के कांस्टेबल विजय बापू बागुल ने मंगलवार, 10 नवंबर को कुर्ला स्थित अपने आवास पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वह लंबे समय से बीमारी और शारीरिक तकलीफ से परेशान थे। इसके चलते वह मानसिक तनाव में थे। विजय बागुल कुर्ला की नेहरूनगर पुलिस कॉलोनी में परिवार के साथ रहते थे। उनके पैर में अंदरूनी चोट लगी थी और पिछले कुछ समय से उपचार चल रहा था। हालांकि, उन्हें अपेक्षित राहत नहीं मिल रही थी। इसी परेशानी के बीच उन्होंने आत्मघाती कदम उठा लिया। मूल रूप से नासिक निवासी बागुल वर्ष 2009 में मुंबई पुलिस में भर्ती हुए थे। पिछले चार वर्षों से दिंडोशी पुलिस थाने में तैनात थे। परिवार में पत्नी कोमल, 10 वर्षीय बेटा यश और छह वर्षीय बेटी श्रावणी हैं। उनका अंतिम संस्कार पैतृक गांव नासिक में किया गया।

'जीआरडी10' का शुभारंभ : कैंसर पीड़ितों और विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता

मुंबई, यश भारत । अंधेरी पश्चिम स्थित श्रीकृष्णा कॉम्प्लेक्स में पूर्व विधान परिषद सदस्य एवं वरिष्ठ समाजसेवी स्वर्गीय घनश्याम राजनारायण दुबे की 75वीं जयंती पर 'जीआरडी10- अ लेजिसी ऑफ इंस्पिरेशन' संस्था का शुभारंभ विधायक संजय उपाध्याय ने दीप प्रज्वलित कर किया। असम के राज्यपाल आचार्य लक्ष्मण प्रसाद ऑनलाइन जुड़े और शुभकामनाएं दीं। निरंजन हीरानंदानी सहित कई हस्तियों ने भी बधाई दी। डॉ. सुनीता दुबे की पहल पर स्थापित संस्था प्रतिभाशाली व्यक्तियों को कुश्ती, खेल, चिकित्सा, शिक्षा, पत्रकारिता और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करेगी। आर्यन दुबे ने आगामी वर्ष के पांच पुरस्कारों की रूपरेखा प्रस्तुत की। डॉ. सुनीता दुबे ने कैंसर पीड़ितों और स्कूली विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता भी दी। कार्यक्रम में पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी, आरटीआई एक्टिविस्ट अनिल गलगली, वरिष्ठ समाजसेवी द्वय डॉ. राधेश्याम तिवारी और धर्मराज दुबे, वरिष्ठ पत्रकार बृजमोहन पांडे, बीएन तिवारी, अशोक दुबे, डॉ. सागर त्रिपाठी, विनोद पाठक, डॉ. नीरज दुबे, अवनीश सिंह, हरिगोविंद विश्वकर्मा और राजकिशोर तिवारी उपस्थित रहे। डॉ. सुनीता दुबे ने बोरिवली में घनश्याम दुबे के नाम पर कुश्ती अकादमी तथा सड़क और विद्यालय निर्माण का प्रस्ताव रखा। संचालन आरजे जैन ने किया और आभार अनिल गलगली ने माना।



विकास परियोजनाओं की भेंट चढ़ेंगे 2,543 पेड़

पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने जताई चिंता



मुंबई, यश भारत। मुंबई की दो बड़ी विकास परियोजनाओं के चलते 2,543 पेड़ों पर संकट मंडरा रहा है। गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड (जीएमएलआर) और मनोरी समुद्री जल शुद्धिकरण परियोजनाओं से बड़ी संख्या में पेड़ों के प्रभावित होने की आशंका है। इसे लेकर पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने आपत्ति दर्ज कराते हुए प्रशासन से हरियाली बचाने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि विकास कार्यों के नाम पर इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई से शहर के पर्यावरण को नुकसान पहुंचेगा। प्रशासन को निर्माण योजनाओं में बदलाव और वैकल्पिक मार्गों पर विचार करना चाहिए, ताकि पेड़ों को बचाया जा सके। उन्होंने दोनों परियोजनाओं से प्रभावित होने वाले पेड़ों की प्रजातियों, संख्या और पुनर्रोपण योजना का पूरा विवरण सार्वजनिक करने की मांग भी की है। साथ ही पर्यावरणीय नुकसान का आकलन कर विकास और हरित संरक्षण के बीच संतुलन बनाने पर जोर दिया है।

कर्जत बिजली परियोजना के समर्थन में फडणवीस

मुंबई, यश भारत। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रायगढ़ जिले के कर्जत में प्रस्तावित 3,000 मेगावाट क्षमता वाली पंड स्टोरेज जलविद्युत परियोजना का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और बिजली आपूर्ति मजबूत बनाने के लिए ऐसी परियोजनाएं जरूरी हैं।



टोरेंट पावर की इस परियोजना को लेकर पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा गरमा गया है। प्रस्ताव के तहत करीब 233 हेक्टेयर वन भूमि के इस्तेमाल और 32,490 पेड़ों की कटाई की आशंका जताई गई है। इसका स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों द्वारा विरोध किया जा रहा है। फडणवीस ने परियोजना का बचाव करते हुए विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी ध्यान देने की बात कही। मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित डेटा सेंटर स्थापित करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई में डेटा सेंटर के विकास से तकनीकी क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। इन केंद्रों में ताजे पानी के बजाय शोधित पानी के इस्तेमाल को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि देश का महत्वपूर्ण डेटा भारत में सुरक्षित रखना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से जरूरी है। इसके लिए आधुनिक डेटा सेंटर और भरोसेमंद ऊर्जा आपूर्ति आवश्यक है।

दुष्कर्म पीड़िता को सातवें महीने में गर्भपात की अनुमति



मुंबई, यश भारत। मुंबई उच्च न्यायालय ने दुष्कर्म के कारण गर्भवती हुई एक नाबालिग पीड़िता को गर्भावस्था के सातवें महीने के अंत में गर्भपात कराने की असाधारण अनुमति दी है। न्यायालय ने निर्देश दिया कि प्रक्रिया के दौरान जीवित बच्चे का जन्म होने पर उसे सभी जरूरी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। पीड़िता की इच्छा होने पर स्वस्थ होने के बाद बच्चे को कानूनी रूप से गोद देने की व्यवस्था भी सरकार करे। पीड़िता की मां ने बेटी की ओर से याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति रणजीतसिंह राजा भोसले की अवकाशकालीन पीठ ने मामले की तत्काल सुनवाई की। जे.जे. अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने जांच में भ्रूण में कोई जन्मजात विकृति नहीं पाई थी। हालांकि, न्यायालय ने कहा कि सामान्यतः 24 सप्ताह से अधिक की गर्भावस्था में गर्भपात की अनुमति नहीं है, लेकिन नाबालिग पीड़िता की प्रजनन स्वतंत्रता, गर्भधारण की परिस्थितियों और संभावित मानसिक पीड़ा को देखते हुए असाधारण राहत दी जा रही है। पीठ ने स्पष्ट किया कि जीवित जन्म लेने वाले बच्चे को उपचार और संरक्षण देना सरकार की जिम्मेदारी होगी।

जमानत मिलने के बाद भी सलाखों के पीछे कैदी, अब रिहाई की जगी उम्मीद

जमानतदार और आर्थिक गारंटी नहीं जुटा पाने वालों को मिलेगी मदद



मुंबई, यश भारत। अदालत से जमानत मिलने के बावजूद जमानतदार या आर्थिक गारंटी नहीं जुटा पाने के कारण जेल में बंद विचाराधीन कैदियों की रिहाई की उम्मीद बढ़ गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसे कैदियों की पहचान कर उनकी रिहाई में मदद करने के निर्देश दिए हैं। इससे महाराष्ट्र की जेलों में बंद सैकड़ों कैदियों के मामलों पर भी ध्यान केंद्रित होने की संभावना है।

न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ ने निर्देश दिया कि जमानत मिलने के बाद भी जेल में बंद कैदियों का जिलावार ब्योरा जुटाया जाए। इसमें निजी वकील के माध्यम से मुकदमा लड़ने वाले और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से कानूनी सहायता पाने वाले, दोनों तरह के कैदियों को शामिल किया जाए। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि कानूनी सहायता प्राप्त करने और निजी वकील रखने वाले कैदियों के बीच कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। विधिक सेवा प्राधिकरणों को स्वतः ऐसे कैदियों की पहचान कर उनकी मदद करनी होगी। चार नवंबर के आदेश में सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसे कैदियों की रिहाई सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार पर डाली है। अब सवाल है कि महाराष्ट्र सरकार और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण मुंबई, ठाणे, पुणे, नासिक और नागपुर की जेलों में बंद ऐसे कैदियों की रिहाई के लिए कब ठोस कदम उठाते हैं।

पानी की व्यवस्था किए बिना ही सौंप दीं बीडीडी चॉल के घरों की चाबियां

आरटीआई से खुलासा नायगांव में 864 परिवार पानी की किल्लत से परेशान



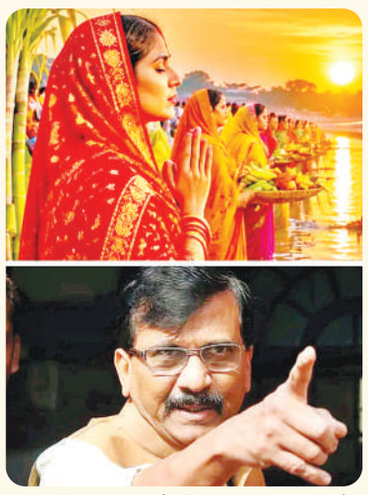
मुंबई, यश भारत। नायगांव बीडीडी चॉल पुनर्विकास परियोजना में गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। सूचना के अधिकार (आरटीआई) से मिली जानकारी के अनुसार, नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित किए बिना ही 864 परिवारों को नए घरों की चाबियां सौंप दी गई थीं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 16 मार्च 2026 को इन परिवारों को चाबियां दी थीं। नई इमारतों में रहने पहुंचे परिवारों को मई से ही पानी की किल्लत झेलनी पड़ रही है। परिसर की आठ इमारतों को प्रतिदिन करीब 6.43 लाख लीटर पानी की जरूरत है, जबकि आपूर्ति महज चार से 4.5 लाख लीटर हो रही है। कुछ दिनों में यह घटकर तीन लाख लीटर तक पहुंच जाती है। निवासियों के विरोध और शिकायतों के बाद म्हाडा ने जुलाई के अंतिम सप्ताह से पानी के टैंकर भेजने शुरू किए। हालांकि, म्हाडा अधिकारियों ने लापरवाही के आरोपों को खारिज करते हुए दावा किया है कि सभी 1,401 घरों को स्वीकृत जल कनेक्शन मिलने के बाद ही कब्जा दिया गया। आरटीआई के खुलासे ने पुनर्विकास परियोजना की बुनियादी सुविधाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

छठ पूजा के गीतों पर सियासी संग्राम

संजय राऊत ने जताई आपत्ति, बोले- महाराष्ट्र की संस्कृति पर हावी होने का न करें प्रयास

मुंबई, यशभारत। मुंबई के कुछ रेलवे स्टेशनों पर छठ पूजा के अवसर पर भोजपुरी गीत बजाए जाने को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राऊत ने रेलवे स्टेशनों पर भोजपुरी गाने बजाए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि रेलवे प्लेटफॉर्म यात्रियों की सुविधा और ट्रेनों से संबंधित सूचनाओं के लिए हैं, न कि राजनीतिक या सांस्कृतिक प्रचार के लिए।

मीडिया से बातचीत के दौरान राऊत ने सवाल उठाया कि दीपावली, होली, ईद और क्रिसमस जैसे प्रमुख त्योहारों पर रेलवे स्टेशनों पर इस तरह गाने क्यों नहीं बजाए जाते? उन्होंने आरोप लगाया कि आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर मुंबई के रेलवे स्टेशनों का इस्तेमाल



राजनीतिक फायदे के लिए किया जा रहा है।

राऊत ने छठ पूजा के महत्व को स्वीकार करते हुए कहा कि छठ एक पवित्र और आस्था से जुड़ा पर्व है। इसका पूरे सम्मान के साथ आयोजन होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें छठ पूजा से कोई आपत्ति नहीं है। हम स्वयं भी इस उत्सव में शामिल होंगे, लेकिन इसके बहाने महाराष्ट्र की संस्कृति पर हावी होने का प्रयास नहीं होना चाहिए। ऐसी गतिविधियों से समाज में अनावश्यक संघर्ष पैदा होता है।'

राऊत ने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश की राजनीति को महाराष्ट्र में लाने का प्रयास नहीं किया जाना चाहिए। उनके इस बयान के बाद मुंबई में छठ पूजा के आयोजन, भोजपुरी गीतों और महाराष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान को लेकर राजनीतिक बहस तेज होने की संभावना है।

कसारा रेलमार्ग पर आधी रात को दो दिन मेगा ब्लॉक

लोकल और एक्सप्रेस ट्रेनें होंगी प्रभावित, 20 से 25 मिनट देरी से चलेंगी नौ मेल-एक्सप्रेस ट्रेनें

मुंबई, यशभारत। मध्य रेलवे ने आसनगांव-कसारा तीसरी रेल लाइन के निर्माण और कसारा स्टेशन पर प्लेटफॉर्म लाइन के विस्तार कार्य के लिए 13 और 14 नवंबर की मध्यरात्रि विशेष ब्लॉक लेने का निर्णय लिया है। इसके चलते कसारा मार्ग पर लोकल के साथ मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होगी।

रेलवे के अनुसार, दोनों दिन रात 11:10 बजे से मध्यरात्रि 1:40 बजे तक खर्डी-कसारा के बीच अप मुख्य लाइन और तीसरी लाइन पर काम किया जाएगा। इस दौरान खर्डी और कसारा के बीच लोकल सेवा पूरी तरह बंद रहेगी।

ब्लॉक से पहले छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) से कसारा के लिए अंतिम लोकल रात 8:44 बजे रवाना होगी। वहीं, रात 9:32 बजे के बाद चलने वाली कसारा लोकल आसनगांव तक ही जाएंगी। रात 11:05 बजे की लोकल खर्डी तक सीमित रहेगी।

कसारा से सीएसएमटी के लिए अंतिम लोकल रात 10 बजे रवाना होगी, जबकि ब्लॉक के बाद पहली लोकल सुबह 3:51 बजे चलेगी।



इस कार्य का असर नौ मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों पर भी पड़ेगा। सीएसएमटी-हावड़ा, एलटीटी-बनारस, अमृतसर और कुशीनगर सहित कई ट्रेनें 20 से 25 मिनट देरी से चलेंगी। मध्य रेलवे ने यात्रियों से समय-सारिणी देखकर यात्रा करने की अपील की है।

बम की धमकी के बाद दिलजीत के कॉन्सर्ट में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

27 नवंबर को महालक्ष्मी रेसकोर्स में होगा कार्यक्रम, पुलिस रखेगी चप्पे-चप्पे पर नजर

मुंबई, यशभारत। मुंबई में पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के आगामी संगीत कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जाएगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रशंसकों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस और संबंधित सुरक्षा एजेंसियां विशेष सतर्कता बरतेंगी। 27 नवंबर को महालक्ष्मी रेसकोर्स में होने वाले इस कार्यक्रम के लिए सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने का फैसला कॉन्सर्ट स्थल को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद लिया गया है।



रिपोर्ट के अनुसार, कार्यक्रम में 1,500 से 2,000 निजी सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। प्रवेश के लिए तीन के बजाय पांच द्वार बनाए जाएंगे। रेसकोर्स के आसपास 500 से 700 मीटर तक वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी और यातायात नियंत्रित किया जाएगा।

कार्यक्रम में आने वाले दर्शकों के मोबाइल फोन और सामान की कड़ी जांच होगी। दिलजीत की सुरक्षा के लिए सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी उनके आसपास तैनात रहेंगे। उनके होटल और मुंबई पहुंचने के समय की जानकारी भी गोपनीय रखी जाएगी। पुलिस की प्राथमिकता कार्यक्रम के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने की है।

श्रीकांत शिंदे के निर्देश पर छठ पूजा की तैयारियां तेज

भुल्लर महाराज ने मनपा आयुक्त को सौंपा ज्ञापन सुरक्षा और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग

उल्हासनगर, यशभारत। छठ महापर्व को लेकर शहर में तैयारियां तेज हो गई हैं। कल्याण लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे के निर्देश पर शिवसेना शहर प्रमुख एवं वरिष्ठ नगरसेवक राजेंद्रसिंह भुल्लर (महाराज) ने छठ पूजा के आयोजन को लेकर पहल की है। उन्होंने उल्हासनगर महानगरपालिका आयुक्त मनीषा आव्हाले और अतिरिक्त आयुक्त धीरज चव्हाण को ज्ञापन सौंपकर श्रद्धालुओं के लिए घाटों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की।

आगामी 14, 15 और 16 नवंबर को उल्हासनगर-1 स्थित आईडीआई कंपनी घाट और अंटालिया घाट पर छठ पूजा महापर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। इसे देखते हुए भुल्लर महाराज ने दोनों घाटों पर अस्थायी मंडप और मंच लगाने की अनुमति, लाउडस्पीकर की मंजूरी, स्वच्छता, पर्याप्त रोशनी, पेयजल और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का आग्रह किया है।

ज्ञापन में अग्निशमन दल, एंबुलेंस, मेडिकल टीम और आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था के साथ पर्याप्त पुलिस बंदोबस्त, यातायात नियंत्रण और पार्किंग की उचित व्यवस्था करने की भी मांग की गई है। साथ ही चोरी और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए



विशेष सुरक्षा इंतजाम करने पर जोर दिया गया है। इस दौरान कमलेश निकम भी उपस्थित थे।

भुल्लर महाराज ने कहा कि छठ पूजा उत्तर भारतीय समाज की आस्था, संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा सभी भक्त सुरक्षित वातावरण में सूर्यदेव की आराधना कर सकें, इसके लिए प्रशासन को समय रहते सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनी चाहिए। आयोजकों ने भी स्वच्छता, सुरक्षा और ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों का पालन करने का आश्वासन दिया है।

सूखाग्रस्त किसानों के लिए रीजेंसी ग्रुप का 50 लाख का योगदान

सीएम फडणवीस ने जताया आभार

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र में सूखे की मार झेल रहे किसानों को आर्थिक राहत पहुंचाने के लिए रीजेंसी ग्रुप ने सराहनीय पहल की है। समूह के सीएमडी महेश अग्रवाल ने मुख्यमंत्री सहायता निधि में 50 लाख रुपए का आर्थिक योगदान दिया है। इस राशि का उपयोग सूखा प्रभावित किसानों की सहायता के लिए किया जाएगा।

महेश अग्रवाल ने मुंबई में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर उन्हें 50 लाख रुपए का चेक सौंपा। राज्य के कई हिस्सों में सूखे के कारण किसानों को गंभीर आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। फसलों को नुकसान पहुंचने और खेती की लागत बढ़ने से किसानों पर आर्थिक संकट गहराया है। ऐसे मुश्किल समय में रीजेंसी ग्रुप की ओर से दी गई यह सहायता प्रभावित किसानों के लिए राहत का माध्यम बनेगी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महेश अग्रवाल के इस आर्थिक सहयोग के लिए



उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए किसानों की मदद के लिए आगे आने वाली सामाजिक संस्थाओं और उद्योग जगत के योगदान को महत्वपूर्ण बताया।

हाईकोर्ट के आदेश की अनदेखी पड़ी भारी

सार्वजनिक जगहों पर पटाखे फोड़ने वाले 40 पर एक्शन, 29 पर एफआईआर दर्ज

मुंबई, यशभारत। सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे फोड़कर बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मुंबई पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। दिवाली के दौरान नियमों की अनदेखी करने के आरोप में पुलिस ने 40 लोगों के खिलाफ 29 प्राथमिकी दर्ज की हैं। यह कार्रवाई 5 से 10 नवंबर के बीच की गई।



बॉम्बे हाईकोर्ट ने सितंबर में महाराष्ट्र में सार्वजनिक सड़कों, गलियों, फुटपाथों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध लगाया था। इसके बावजूद दिवाली के दौरान कई इलाकों में आतिशबाजी जारी रही। पुलिस ने ग्रांट रोड, माहिम, कुर्ला, पवई और विक्रोली सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की।

पटाखों के कारण आग लगने की घटनाओं में भी वृद्धि दर्ज की गई। मुंबई में दिवाली के दौरान आग की 282 घटनाएं सामने आईं, जिनमें करीब 200 घटनाएं पटाखों से जुड़ी थीं। वहीं, मुंबई महानगर क्षेत्र में पटाखों के कारण आग लगने की लगभग 390 घटनाएं दर्ज की गईं। इसके अलावा, 2 से 10 नवंबर के बीच अवैध रूप से पटाखे बेचने के मामलों में भी 60 से अधिक प्राथमिकी दर्ज की गईं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक सुरक्षा और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

टेकऑफ से पहले रनवे से फिसला प्रशिक्षण विमान

सोलापुर एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला महिला प्रशिक्षु पायलट बाल-बाल बची

सोलापुर, यशभारत। महाराष्ट्र के सोलापुर हवाई अड्डे पर गुरुवार को टेकऑफ की तैयारी कर रहा एक प्रशिक्षण विमान अचानक संतुलन खो बैठा और रनवे से फिसलकर बाहर चला गया। इस घटना से हवाई अड्डे पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, गनीमत रही कि विमान में सवार महिला प्रशिक्षु पायलट बाल-बाल बच गई। उसे किसी तरह की चोट नहीं आई है।



प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विमान उड़ान भरने की तैयारी में था। इसी दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह रनवे से बाहर निकल गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी और संबंधित एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंचीं। विमान के रनवे से फिसलने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

फिलहाल विमान में कितने लोग सवार थे, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। हवाई अड्डा प्रशासन की विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार है। जांच पूरी होने के बाद हादसे की असली वजह स्पष्ट हो सकेगी।

कागजों पर हिंदुओं के नाम फ्लैटों में कौन आबाद?

एंटॉप हिल में म्हाडा के 110 फ्लैटों पर बांग्लादेशी घुसपैठियों के कब्जे का आरोप

मुंबई, यशभारत। मुंबई के एंटॉप हिल स्थित म्हाडा की आवासीय परियोजना के 110 फ्लैटों पर कथित अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने आरोप लगाया है कि कम आय वर्ग (एलआईजी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए बनाए गए इन फ्लैटों पर बांग्लादेशी घुसपैठियों ने कब्जा कर रखा है। उन्होंने इस संबंध में दस्तावेजों और नामों की सूची के साथ म्हाडा प्रशासन तथा संबंधित मंत्रियों को शिकायत सौंपकर जांच की मांग की है। सोमैया के अनुसार, इन फ्लैटों के मूल आवंटन हिंदुओं के नाम पर हुए थे, लेकिन कथित तौर पर मुख्तारनामा (पावर ऑफ अटॉर्नी) के माध्यम से दूसरे लोगों ने इन पर नियंत्रण हासिल कर लिया। उन्होंने कुछ मूल आवंटियों और वर्तमान कब्जाधारियों के नाम भी सार्वजनिक किए हैं। सोमैया ने बताया कि नूरबाजार स्थित म्हाडा परिसर के 50 से अधिक निवासियों ने उनसे मिलकर अवैध कब्जे, बेनामी लेन-देन और धमकियों की शिकायत की है। उन्होंने म्हाडा के उपाध्यक्ष मिलिंद बोरीकर को पत्र लिखकर तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग की है। सोमैया ने 14 नवंबर को परिसर का दौरा करने की भी घोषणा की है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।



भाईदूज पर एक छत के नीचे आया ठाकरे परिवार

राज और उद्धव ठाकरे ने परिवार के साथ बहन जयवंती के घर मनाया त्योहार, रश्मि और आदित्य भी रहे मौजूद



मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर ठाकरे परिवार की एकजुटता की तस्वीर सामने आई है। भाईदूज के अवसर पर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे अपने पूरे परिवार के साथ बहन जयवंती के घर पहुंचे और पारंपरिक तरीके से भाऊबीज का त्योहार मनाया। इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

राज ठाकरे अपनी पत्नी शर्मिला और बेटे अमित ठाकरे के साथ पहुंचे, वहीं उद्धव ठाकरे पत्नी रश्मि और बेटे आदित्य के साथ नजर आए। परिवार के सभी सदस्यों ने एक साथ त्योहार मनाया। ठाकरे परिवार में हर साल भाईदूज पर बहन जयवंती के घर जुटने की परंपरा रही है। गौरतलब है कि ठाकरे बंधुओं ने दिसंबर 2026 में होने वाले महानगरपालिका चुनावों के लिए साथ आने की घोषणा की है। इससे पहले जुलाई में मराठी भाषा के मुद्दे पर भी दोनों भाई एक मंच पर नजर आए थे। ऐसे में भाईदूज पर परिवार की यह मुलाकात राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा का विषय बन गई है। हालांकि, यह पारिवारिक आयोजन था, लेकिन इसकी तस्वीरों ने राजनीतिक चर्चाओं को फिर हवा दे दी है।

महाराष्ट्र के तीन समुद्र तटों को मिला अंतरराष्ट्रीय ब्लू फ्लैग सम्मान

वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर चमकेगा कोंकण

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र के समुद्र तटों के लिए बड़ी उपलब्धि सामने आई है। राज्य के रत्नागिरी जिले के लाडघर और गुहागर तथा रायगढ़ जिले के श्रीवर्धन समुद्र तटों को वर्ष 2026-27 के लिए प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय 'ब्लू फ्लैग' सम्मान प्रदान किया गया है। महाराष्ट्र को पहली बार यह अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है।



ब्लू फ्लैग सम्मान उन समुद्र तटों को दिया जाता है, जो पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, समुद्र के पानी की गुणवत्ता, जैव विविधता की सुरक्षा, पर्यटकों की सुरक्षा और आधुनिक सुविधाओं के अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरे उतरते हैं।

इस वर्ष पूरे देश के 22 समुद्र तटों को यह सम्मान मिला है। इनमें 9 नए समुद्र तट शामिल हैं, जबकि 13 को पुराने प्रमाणपत्र का नवीनीकरण मिला है।

पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे महाराष्ट्र के समुद्र तटों को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। साथ ही स्थानीय रोजगार और पर्यटन व्यवसाय को भी बढ़ावा मिलेगा। इन तीनों समुद्र तटों पर ब्लू फ्लैग पर्यटन सत्र 15 नवंबर 2026 से शुरू होगा। इसके लिए आधिकारिक ध्वज नीदरलैंड से लाए जा रहे हैं। जल्द ही ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया जाएगा।

मुंबई की पहली रोपवे परियोजना की शुरुआत

मुलुंड से तारामती माता मंदिर तक बनेगा रोपवे, संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान की पर्यावरणीय मंजूरी बड़ी चुनौती

मुंबई, यशभारत। मुंबई की पहली रोपवे परियोजना को लेकर शुरुआती प्रक्रिया शुरू हो गई है। मुलुंड की पहाड़ियों से संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान (एसजीएनपी) स्थित तारामती माता मंदिर तक रोपवे बनाने की योजना पर सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने सलाहकार नियुक्त करने के लिए निविदा जारी की है। सलाहकार परियोजना का प्रारूप, मार्ग, स्टेशन के स्थान और निर्माण लागत का आकलन तैयार करेंगे।

इस परियोजना का उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना और श्रद्धालुओं को पहाड़ी पर स्थित तारामती माता मंदिर तक पहुंचने की सुविधा देना है। मुलुंड के भाजपा विधायक मिहिर कोटेचा ने वर्ष 2024 के चुनाव प्रचार के दौरान इस रोपवे का वादा किया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह रोपवे मुलुंड से बोरीवली तक नहीं, बल्कि मुलुंड की तलहटी से मंदिर तक ही प्रस्तावित है।

हालांकि, परियोजना के सामने पर्यावरणीय मंजूरी की बड़ी चुनौती है। मंदिर संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान की सीमा में स्थित है, जहां निर्माण गतिविधियों पर कड़े प्रतिबंध हैं। इसके लिए केंद्र के वन एवं पर्यावरण विभाग की आवश्यक मंजूरी लेनी होगी। पर्यावरण कार्यकर्ता जोरू बथेना ने भी मंजूरी मिलने तक निर्माण शुरू नहीं करने की बात कही है। सलाहकार वन्यजीवों और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन भी करेंगे।

दिवाली के प्रदूषण से मुंबई को राहत

मुंबई, यशभारत। मुंबई में दिवाली के दौरान आतिशबाजी के कारण बढ़ा वायु प्रदूषण अब धीरे-धीरे कम होने लगा है। शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) घटकर 138 पर पहुंच गया है। हालांकि, प्रदूषण का स्तर अभी भी संतोषजनक नहीं कहा जा सकता, लेकिन दिवाली के बाद की स्थिति में सुधार के संकेत मिले हैं। शहर का 24 घंटे का औसत एक्यूआई 138 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है। शहर के 25 सक्रिय निगरानी केंद्रों में से 23 पर हवा की गुणवत्ता में सुधार दर्ज किया गया। हालांकि, नेवी नगर में एक्यूआई 207 और मालाड पश्चिम में 206 रहा, जो खराब श्रेणी में है। दिवाली के दौरान पटाखों से निकले धुएं के कारण कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ गया था। बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, चेंबूर और खेरवाड़ी जैसे क्षेत्रों में भी प्रदूषण अधिक दर्ज किया गया था।

सायन अस्पताल के डॉ. चव्हाण को ब्रिटेन का सर्वोच्च सम्मान



मुंबई, यशभारत। मुंबई के सायन अस्पताल के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के प्राध्यापक डॉ. निरंजन चव्हाण को ब्रिटेन के रॉयल कॉलेज ऑफ ऑब्स्टेट्रिशियंस एंड गायनेकोलॉजिस्ट्स ने प्रतिष्ठित एफआरसीओजी (मानद) उपाधि से सम्मानित किया है। अक्टूबर 2026 में प्रदान किया गया यह सम्मान महिला स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया है। डॉ. चव्हाण को 35 वर्षों के अध्यापन अनुभव, 125 से अधिक शोध पत्रों और 42 पुस्तक अध्यायों के लेखन का अनुभव है। सायन अस्पताल में प्रतिवर्ष 12 हजार से अधिक प्रसव कराए जाते हैं। उन्हें 22 से 24 अप्रैल 2027 तक मलेशिया के कुआलालंपुर में होने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मान ग्रहण करने के लिए आमंत्रित किया गया है। वे इस सम्मेलन में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग और प्रसव के बाद होने वाले अत्यधिक रक्तस्राव की रोकथाम संबंधी अनुभव भी साझा करेंगे।

चिंतन-मनन

सोनिया गांधी की Belonging भारतीयता की कसौटी और राजनीतिक विरासत का सवाल

भारत को अपना सर्वस्व सौंपने वाली महिला को क्या जीवनभर अपनी भारतीयता साबित करनी पड़ी? और क्या पारिवारिक संस्मरणों से इतिहास की जिम्मेदारियां बदली जा सकती हैं? सोनिया गांधी की पुस्तक Belonging: A Journey of Love इन दिनों राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय है। पांच सौ से अधिक पृष्ठों के इस संस्मरण पर पूरी तरह चर्चा होने से पहले ही इसके चुनिंदा प्रसंगों को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। कोई इसे गांधी परिवार के अतीत का खुलासा बता रहा है तो कोई आलोचनाओं को राजनीतिक पूर्वाग्रह से प्रेरित मान रहा है। लेकिन इस पुस्तक का वास्तविक महत्व केवल इसके खुलासों में नहीं, बल्कि इसके शीर्षक 'वृक्षद्यशठुद्वठुद' यानी अपनत्व और स्वीकार्यता के भाव में भी छिपा है। राजीव गांधी से विवाह के बाद सोनिया गांधी ने भारत को अपना घर, परिवार और कर्मभूमि बनाया। भारतीय संस्कृति और परंपराओं को अपनाया तथा अंततः देश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बावजूद उनके विदेशी मूल को लेकर दशकों तक सवाल उठते रहे। प्रधानमंत्री बनने की संभावना के समय यह विवाद इतना बढ़ा कि शरद पवार ने भी इसी मुद्दे पर कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाई। सोनिया गांधी ने अंततः प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं किया और डॉ. मनमोहन सिंह को आगे किया। उनके इस निर्णय को राजनीतिक त्याग या रणनीतिक समझ, दोनों रूपों में देखा जा सकता है। लेकिन पुस्तक का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष 1975 का आपातकाल है। सोनिया गांधी ने इंदिरा गांधी के फैसले को राजनीतिक गलती माना है और संजय गांधी की भूमिका को प्रमुखता से रेखांकित किया है। सवाल यह है कि क्या आपातकाल की जिम्मेदारी संजय गांधी पर केंद्रित करके इंदिरा गांधी और तत्कालीन कांग्रेस सरकार की जवाबदेही कम की जा सकती है? 25 जून 1975 को आपातकाल लगाने का निर्णय इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने लिया था। विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियां, प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध, नागरिक अधिकारों का हनन और जबरन नसबंदी जैसी घटनाएं भारतीय लोकतंत्र के इतिहास पर गहरे दाग हैं। संजय गांधी की भूमिका विवादास्पद थी, लेकिन इसके लिए पूरी व्यवस्था और तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इसलिए सोनिया गांधी के संस्मरण को न तो राजनीतिक दुर्भावना से खारिज करना उचित है और न ही उसमें लिखी प्रत्येक बात को अंतिम ऐतिहासिक सत्य मान लेना। संस्मरण व्यक्तिगत अनुभव होते हैं, इतिहास का निष्पक्ष मूल्यांकन तथ्यों और प्रमाणों से होता है। मीडिया को भी सनसनीखेज शीर्षकों के बजाय पुस्तक की समग्रता पर चर्चा करनी चाहिए। Belonging एक तरफ सोनिया गांधी के अपनत्व और स्वीकार्यता के संघर्ष की कहानी है, तो दूसरी तरफ गांधी परिवार की राजनीतिक विरासत और जवाबदेही पर विचार करने का अवसर भी। भारतीयता जन्मस्थान से बड़ी है, लेकिन राजनीतिक जिम्मेदारी पारिवारिक स्मृतियों से छोटी नहीं हो सकती। लोकतंत्र में सम्मान और जवाबदेही, दोनों समान रूप से जरूरी हैं।

कड़वे वचन



किसी ने पूछाः मंदिर जाते हैं तो पहले घंटीक्यों बजाते हैं? मैंने प्रतिप्रश्न कियाः फोन आता है तो पहले घंटी क्येां बजती है? फोन की घंटी इशारा है कि किसी ने पुकारा है और मंदिर की घंटी भी इशारा है कि प्रभु तेरा ही सहारा है। मंदिर की घंटी के संग मन मंदिर की घंटी भी बजनी चाहिए। कहें- हे प्रभु मेरा नाथ तू है, दुनिया में हूं अकेला, पर मरे साथ तू है।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-13 नवम्बर, 2026
दिन-शुक्रवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ
बिना मांगे सलाह देने से बचे लेनदेन के मामले में सतर्क रहें देवी पार्वती का पूजन करें

वृष इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
घर के बाहर वाद-विवाद से दूर रहे मन की इच्छा पूर्ण होगी चांदी की गिलास में पानी पिए

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह
उधार लेने व देने से बचें विद्यार्थियों के लिए समय ठीक नहीं है मन में भटकाव रहेगा वट वृक्ष का पूजन करें

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो
ंरुका हुआ पुराना काम बन सकता है परिवार के किसी सदस्य के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है ओम विधि रूपाय नमः का जाप करें

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे
वरिष्ठ ओं का मार्गदर्शन मिलेगा अपने ऊपर फोकस बनाए रखें भगवान शिव को जल चढ़ाएं

कन्या ढो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो
कारोबारी कार्य में मन लगेगा लाभ के अवसर मिलेंगे लालच में ना फंसे ओम नमः पार्वती पति यह नमः का जाप करें

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते
धन लाभ के अवसर बढ़ेंगे पारिवारिक चिंता रहेगी शुक्र ग्रह का पूजन करें

वृश्चिक ते, तो, ना, नी, नू, या, फा, ढा, भे
मन प्रफुल्लित रहेगा तेज ड्राइविंग से बचे हनुमानजी के दर्शन करे

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
आज मनमाफिक काम होंगे पुरानी स्मृतियों का मन पर कब्जा रहेगा ब्राह्मणों को दान दे

मकर भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी
घूमने फिरने की योजना साकार होगी मनचाहे लोगों का साथ मिलेगा हाइपर होने से बचे शनि का पूजन करें

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
दिन तनाव भरा कठिन रहेगा शाम की बात मन प्रसन्न रहेगा पीपल के वृक्ष में दिया लगाएं

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
लोगों के मैसेज पढ़ कर मन प्रसन्न होगा तारीफ होगी लालच में ना फंसे गुरुओं की सेवा करें

महाराष्ट्र में सूखे की मार झेलता किसान, आखिर कब बदलेगी खेती की तस्वीर?

जल संकट, अनिश्चित मानसून, घटता भूजल, खेती की बढ़ती लागत और सरकारी नीतियों की चुनौतियों के बीच महाराष्ट्र का किसान आखिर कब तक सूखे से लड़ता रहेगा? महाराष्ट्र देश के उन राज्यों में शामिल है, जिनकी पहचान औद्योगिक विकास, व्यापार, वित्तीय गतिविधियों और कृषि उत्पादन के लिए रही है। मुंबई देश की आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है, पुणे आईटी और औद्योगिक विकास का बड़ा केंद्र बन चुका है तथा राज्य के अनेक जिलों में कृषि और सहकारी संस्थाओं का व्यापक नेटवर्क है। इसके बावजूद महाराष्ट्र के ग्रामीण इलाकों की तस्वीर इससे बिल्कुल अलग दिखाई देती है। यहां किसान कभी कम बारिश तो कभी बेमौसम बारिश, कभी जलाशयों में पानी की कमी तो कभी फसल की लागत और बाजार भाव की मार झेलने को मजबूर है। सवाल यह है कि आर्थिक और औद्योगिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले महाराष्ट्र का किसान आज भी पानी के लिए आसमान की ओर क्यों देख रहा है?

महाराष्ट्र में सूखे की समस्या केवल एक साल की मौसमी परेशानी नहीं है, बल्कि यह वर्षों से चली आ रही संरचनात्मक समस्या है। राज्य के मराठवाड़ा, विदर्भ और पश्चिमी महाराष्ट्र के कुछ हिस्से बार-बार पानी की कमी का सामना करते हैं। हर साल मानसून से उम्मीदें जुड़ती हैं, लेकिन बारिश का असमान वितरण किसानों की मुश्किलें बढ़ा देता है। कहीं सामान्य से कम बारिश होती है तो कहीं कुछ ही दिनों में इतनी अधिक वर्षा हो जाती है कि खेतों की मिट्टी और खड़ी फसल दोनों को नुकसान पहुंचता है। यानी किसान के सामने संकट केवल बारिश की कमी का नहीं, बल्कि बारिश के अनिश्चित और असंतुलित स्वरूप का भी है।

महाराष्ट्र की भौगोलिक परिस्थितियां भी इस संकट को गंभीर बनाती हैं। सरकारी जल संसाधन प्राधिकरण के अनुसार राज्य का लगभग 40 प्रतिशत क्षेत्र सूखा प्रभावित है। राज्य में वर्षा का वितरण 400 से 6,000 मिलीमीटर तक अलग-अलग है और अधिकांश बारिश जून से सितंबर के चार महीनों में होती है। मराठवाड़ा का बड़ा हिस्सा वर्षा छाया क्षेत्र में आता है, जहां औसत वार्षिक वर्षा लगभग 600 मिलीमीटर है। यहां बारिश की अनिश्चितता भी अधिक है।

इसके साथ भूजल की समस्या भी कम गंभीर नहीं है। महाराष्ट्र के भूजल सर्वेक्षण एवं विकास तंत्र के अनुसार राज्य के लगभग 91 प्रतिशत भूभाग में कठोर चट्टानी संरचना है। ऐसी चट्टानों में भूजल का संचय और प्रवाह आसान नहीं होता। परिणामस्वरूप बारिश कम होने पर कुएं और बोरवेल तेजी से सूखने लगते हैं। किसान सिंचाई के लिए निजी बोरवेल पर निर्भर होता है और पानी की तलाश में अधिक गहराई तक खुदाई करवाता है। इससे उसकी आर्थिक स्थिति और कमजोर होती जाती है। लेकिन केवल प्राकृतिक परिस्थितियों को दोष देकर सरकारी व्यवस्था और कृषि नियोजन की जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता। महाराष्ट्र में दशकों से सूखे की समस्या मौजूद है। इसके बावजूद आज भी बड़ी संख्या में किसान मानसून आधारित खेती करने को विवश हैं। यदि हर साल सूखे की आशंका रहती है तो फिर जल संरक्षण, सिंचाई के वैकल्पिक साधन और फसल विविधीकरण को कृषि नीति का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा क्यों नहीं बनाया गया?

महाराष्ट्र में गन्ना उत्पादन और चीनी उद्योग का बड़ा आर्थिक महत्व है। पश्चिमी महाराष्ट्र में गन्ने की खेती ने सहकारी चीनी मिलों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। लेकिन गन्ना अधिक पानी मांगने वाली फसल है। ऐसे क्षेत्रों में जहां पानी की उपलब्धता सीमित है, वहां बड़े पैमाने पर गन्ने की खेती जल संसाधनों पर दबाव बढ़ा सकती है। इसका अर्थ यह नहीं कि गन्ने की खेती बंद कर दी जाए, बल्कि यह समझना जरूरी है कि किस क्षेत्र में कौन-सी फसल प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुकूल है।

मराठवाड़ा और विदर्भ जैसे क्षेत्रों में ज्वार, बाजरा, दालें, तिलहन और कम पानी में तैयार होने वाली दूसरी फसलों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। किसानों को केवल फसल बदलने की सलाह देना पर्याप्त नहीं होगा। उन्हें बीज, तकनीकी मार्गदर्शन, बाजार की गारंटी, उचित न्यूनतम समर्थन मूल्य और सरकारी खरीद की व्यवस्था भी उपलब्ध करानी होगी। जब तक किसान को वैकल्पिक फसल से उसकी लागत और मेहनत का उचित मूल्य मिलने का भरोसा नहीं होगा, तब तक फसल विविधीकरण का लक्ष्य केवल सरकारी कागजों तक सीमित रह सकता है। दूसरी ओर, खेतों में पानी रोकने की व्यवस्था पर भी गंभीरता से काम करना होगा। खेत तालाब, चेक डैम, छोटे बांध, नालों का पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण जैसे उपायों को गांव स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। जलयुक्त शिवार जैसी योजनाओं के अनुभवों का निष्पक्ष मूल्यांकन होना चाहिए। यह देखना जरूरी है कि जिन गांवों में जल संरक्षण के काम हुए, वहां वास्तव में भूजल स्तर और सिंचाई की स्थिति में कितना सुधार आया।

यहां एक महत्वपूर्ण विरोधाभास सामने आता है। महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत स्थिति में है। राज्य की आर्थिक समीक्षा 2025-26 के अनुसार महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था में 7.9 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है, जबकि कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों की वृद्धि दर 3.4 प्रतिशत आंकी गई है। यानी औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों की तुलना में कृषि क्षेत्र की वृद्धि अपेक्षाकृत धीमी है। इसका सीधा अर्थ यह है कि राज्य की आर्थिक प्रगति का लाभ ग्रामीण अर्थव्यवस्था और छोटे किसानों तक समान रूप से नहीं पहुंच पा रहा है। मुंबई में शेयर बाजार की तेजी, पुणे में औद्योगिक विस्तार, नए एक्सप्रेसवे, मेट्रो और बड़े निवेश राज्य की आर्थिक उपलब्धियां हो सकती हैं, लेकिन इनसे उस किसान की समस्या अपने आप हल नहीं होती, जिसकी सोयाबीन की फसल बारिश न होने से सूख गई हो या जिसकी कपास की फसल लागत भी नहीं निकाल पा रही हो।

2026 के मानसून ने इस अंतर को और उजागर किया। सितंबर के अंतिम सप्ताह तक महाराष्ट्र में सामान्य 970.9 मिलीमीटर के मुकाबले 798.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो लगभग 18 प्रतिशत कम थी। मराठवाड़ा में बारिश की कमी 38 प्रतिशत और विदर्भ में लगभग 27 प्रतिशत तक पहुंच गई। सूखे जैसी परिस्थितियों के कारण 265 तहसीलों में राहत संबंधी कदमों की आवश्यकता सामने आई। यह आंकड़े बताते हैं कि संकट किसी एक गांव या जिले तक सीमित नहीं रहा।

महाराष्ट्र में जल संरक्षण और सिंचाई के लिए अनेक योजनाएं चलाई गई हैं। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, जलयुक्त शिवार अभियान, सूक्ष्म सिंचाई और जलग्रहण विकास जैसी पहलों का उद्देश्य किसानों तक पानी पहुंचाना और खेती को मानसून की निर्भरता से मुक्त करना है। इसके बावजूद सवाल यह है कि इन योजनाओं का वास्तविक लाभ सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों तक कितना पहुंचा है?

मराठवाड़ा में 11 बड़े बांधों को पाइपलाइन के माध्यम से जोड़कर जल ग्रिड विकसित करने की योजना भी सामने आई है। यह पहल पानी की क्षेत्रीय असमानता कम करने में सहायक हो सकती है, लेकिन इसके लिए समयबद्ध क्रियान्वयन, पर्याप्त बजट और पारदर्शिता जरूरी है। केवल योजनाओं की घोषणा से किसानों के खेतों तक पानी नहीं पहुंचेगा।

एक और महत्वपूर्ण पहलू जल प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की भागीदारी है। गांवों में पानी के उपयोग का हिसाब होना चाहिए। तालाबों और जलाशयों पर अतिक्रमण रोकना, पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करना तथा भूजल के अनियंत्रित दोहन पर नियंत्रण जरूरी है। सिंचाई के लिए ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी तकनीकों को छोटे किसानों के लिए सस्ता और सुलभ बनाया जाना चाहिए। साथ ही, पानी के उपयोग में कृषि, उद्योग और शहरी जरूरतों के बीच संतुलन भी स्थापित करना होगा।

सूखे की सबसे बड़ी मार छोटे और सीमांत किसानों पर पड़ती है। फसल बर्बाद होने के बाद किसान के सामने केवल अगली फसल बोने का सवाल नहीं होता, बल्कि परिवार का खर्च, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और पुराने कर्ज की अदायगी जैसी जिम्मेदारियां भी खड़ी हो जाती हैं। कई बार किसान कर्ज लेकर दोबारा खेती करता है और अगला मानसून भी साथ नहीं देता। इस तरह प्राकृतिक आपदा धीरे-धीरे आर्थिक संकट और ग्रामीण पलायन का कारण बन जाती है।

ऐसे में फसल बीमा योजनाओं को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाना होगा। नुकसान का आकलन समय पर हो और मुआवजा सीधे प्रभावित किसान तक पहुंचे। बीमा कंपनियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त सूखा प्रभावित किसानों को ब्याज राहत, कृषि ऋण पुनर्गठन, पशुओं के लिए चारा और पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

जलवायु परिवर्तन ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। कभी लंबे समय तक बारिश नहीं होती और कभी कुछ घंटों में इतनी तेज बारिश हो जाती है कि खेतों में पानी भर जाता है। इसलिए कृषि को केवल पारंपरिक मानसून कैलेंडर के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। मौसम पूर्वानुमान, स्थानीय स्तर पर कृषि सलाह, सूखा सहन करने वाली बीज किस्में और फसल विविधीकरण को व्यापक स्तर पर अपनाना होगा।

महाराष्ट्र को देश के आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण राज्यों में गिना जाता है। यहां बड़े उद्योग हैं, मजबूत शहरी अर्थव्यवस्था है, व्यापारिक गतिविधियां हैं और निवेश की संभावनाएं भी हैं। लेकिन किसी राज्य की समृद्धि का वास्तविक आकलन केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, उद्योगों और बड़े निर्माण कार्यों से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना होगा कि उस राज्य का किसान कितना सुरक्षित है, ग्रामीण परिवारों की आय कितनी बढ़ी है और खेती प्राकृतिक आपदाओं के सामने कितनी मजबूत हुई है।

(लेखक- सौरभ वार्ष्णेय)

छठ पूजा : आस्था समर्पण और लोक संस्कृति का महापर्व

सूरत में छठव्रतियों के स्वागत के लिए सजे घाट प्रशासन की तैयारियों की परीक्षा और श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का उत्सव छठ पूजा भारत की प्राचीन धार्मिक परंपराओं और लोक आस्था का ऐसा अनुपम पर्व है, जिसमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, सूर्य उपासना, अनुशासन, पवित्रता और पारिवारिक सुख-समृद्धि की कामना एक साथ दिखाई देती है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस जीवनदृष्टि का प्रतीक है, जिसमें सूर्य को जीवन का आधार और जल को प्रकृति का अमूल्य उपहार माना गया है। देश के लगभग हर राज्य में छठ पूजा श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई जाती है। हालांकि बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में इसकी विशेष परंपरा रही है, लेकिन आज यह पर्व देश की सीमाओं से निकलकर राष्ट्रीय पहचान बना चुका है। गुजरात में भी विशेषकर उत्तर गुजरात के प्रवासी समाज के बीच छठ पूजा का विशिष्ट स्थान है।

छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता छठव्रतियों का कठोर अनुशासन, अटूट विश्वास और अद्भुत समर्पण है। चार दिनों तक चलने वाला यह पर्व नहाय-खाय से आरंभ होता है। इसके बाद खरना का विधान होता है। तीसरे दिन व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं और अगले दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का समापन करते हैं। इस दौरान व्रती पूरी श्रद्धा, पवित्रता और नियमों का पालन करते हैं। कई श्रद्धालु निर्जला उपवास रखकर सूर्यदेव और छठी मैया की आराधना करते हैं। उनकी यह साधना भारतीय नारी शक्ति, मातृत्व, त्याग और आत्मबल का प्रेरणादायक उदाहरण है। परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और समाज के कल्याण की भावना इस पर्व को और भी विशिष्ट बनाती है।

सूरत जैसे औद्योगिक महानगर में छठ पूजा का उत्साह देखते ही बनता है। वस्त्र उद्योग, हीरा उद्योग, व्यापार, निर्माण क्षेत्र और विभिन्न रोजगारों से जुड़े बिहार, झारखंड तथा पूर्वांचल के लाखों लोग सूरत में रहते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में श्रमिक और व्यवसायी परिवार छठ पूजा मनाने के लिए अपने वतन लौटते हैं। त्योहार के अवसर पर रेलगाड़ियों और बसों में यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है। अपने गांव, परिवार और पुश्तैनी परंपराओं के बीच छठ मनाने की इच्छा उन्हें हजारों किलोमीटर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करती है। उनके लिए छठ पूजा केवल त्योहार नहीं, बल्कि अपनी मिट्टी, अपनी संस्कृति और पारिवारिक जड़ों से जुड़ने का अवसर है।

हालांकि सभी लोग अपने गृह प्रदेश नहीं जा पाते। रोजगार, कारोबार और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण अनेक परिवार गुजरात में ही रहकर छठ पूजा मनाते हैं। ऐसे श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान करते हुए सूरत में विभिन्न स्थानों पर छठ पूजा के घाट सजाए जा रहे हैं। बिहार विकास परिषद हर वर्ष छठव्रतियों के लिए घाटों की व्यवस्था करती है। परिषद के कार्यकर्ता श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूजा स्थलों को तैयार करने में जुटते हैं। घाटों की सजावट, साफ-सफाई और धार्मिक आयोजन की व्यवस्थाएं इस बात का प्रमाण हैं कि प्रवासी



समाज ने अपनी संस्कृति को नई भूमि पर भी पूरी जीवंतता के साथ सुरक्षित रखा है। गुजरात की धरती पर छठ का यह आयोजन सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का सुंदर उदाहरण बन गया है।

छठ पूजा की सफलता में प्रशासन की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सूरत महानगरपालिका, पुलिस प्रशासन और संबंधित विभागों के सामने श्रद्धालुओं की सुरक्षा तथा सुविधाओं की बड़ी जिम्मेदारी रहती है। घाटों की समय रहते सफाई, जलाशयों के आसपास पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग सुविधाएं, अस्थायी शौचालय, चिकित्सा सहायता और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। जलाशयों में उतरने के लिए सुरक्षित व्यवस्था, फिसलन रोकने के उपाय, बैरिकेडिंग और गहरे पानी वाले स्थानों पर चेतावनी संकेत भी लगाए जाने चाहिए।

संध्या अर्घ्य और प्रातःकालीन अर्घ्य के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचते हैं। ऐसे में यातायात व्यवस्था सुचारु रखना पुलिस प्रशासन की विशेष जिम्मेदारी है। भीड़ नियंत्रण, वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग, महिला सुरक्षा और स्वयंसेवकों की तैनाती से श्रद्धालुओं को परेशानी से बचाया जा सकता है। प्रशासन को आयोजक संस्थाओं के साथ समन्वय बनाकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी श्रद्धालु को अव्यवस्था का सामना न करना पड़े। साथ ही प्लास्टिक और कचरे से जलाशयों को प्रदूषित होने से बचाने के लिए विशेष अभियान चलाना चाहिए। प्रशासन की तैयारियों का वास्तविक मूल्यांकन इसी बात से होगा कि छठव्रती कितनी सहजता, सुरक्षित वातावरण और सम्मान के साथ पूजा संपन्न कर पाते हैं।

बिहार विकास परिषद जैसी संस्थाओं का योगदान सराहनीय है। सामाजिक संस्थाएं जब अपने स्तर पर घाटों की व्यवस्था करती हैं तो प्रशासन का सहयोग भी अधिक प्रभावी बनता है। छठ पूजा किसी एक प्रदेश या भाषा के लोगों का पर्व नहीं रह गया है। इसमें गुजरात के स्थानीय नागरिक भी सहभागी बनते हैं। यही भारत की सांस्कृतिक विविधता की सबसे बड़ी ताकत है। अलग-अलग भाषाएं, वेशभूषाएं और परंपराएं होने के बावजूद आस्था और मानवीय संवेदना सभी को एक सूत्र में बांधती हैं।

आज आवश्यकता है कि छठ पूजा को केवल धार्मिक आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव के रूप में भी देखा जाए। सूर्य और जल की उपासना हमें प्रकृति के महत्व का संदेश देती है। स्वच्छ घाट, निर्मल जल और अनुशासित आयोजन ही इस पर्व की वास्तविक गरिमा को बनाए रख सकते हैं। सूरत में सजते छठ पूजा के घाट इस बात के प्रतीक हैं कि इंसान रोजगार के लिए अपना घर छोड़ सकता है, लेकिन अपनी संस्कृति और संस्कारों को नहीं छोड़ता। हजारों किलोमीटर दूर रहकर भी छठव्रती उसी श्रद्धा से सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं, जिस श्रद्धा से वे अपने गांव में करते आए हैं। उनकी आस्था, तपस्या और समर्पण को नमन करना चाहिए। प्रशासन, सामाजिक संस्थाओं और नागरिकों के सामूहिक सहयोग से यह महापर्व सूरत में भी हर्षोल्लास, शांति और गरिमा के साथ संपन्न हो, यही कामना है।

छठ पूजा हमें सिखाती है कि सच्ची आस्था के लिए स्थान की दूरी बाधा नहीं बनती। जहां श्रद्धा है, वहीं संस्कृति है और जहां संस्कृति है, वहीं भारत की आत्मा जीवित है।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

विश्व बैंक के ताजा आंकलन के अनुसार भारत में घट रही है गरीबी

विश्व बैंक के ताजा आंकलन के अनुसार भारत में घट रही है गरीबी हाल ही में विश्व बैंक ने एक प्रतिवेदन जारी कर बताया है कि भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या तेजी से घट रही है। केंद्र सरकार की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य श्रीमती शमिका रवि ने भी अपने एक रिसर्च पेपर में बताया है कि भारत में 10 वर्ष पूर्व तक गरीबी आंकलन के लिए सुरेश तेंदुलकर समिति की सिफारिशों के आधार पर विचार किया जाता था। इन सिफारिशों के अनुसार भारतीय नागरिकों को पूर्व निर्धारित स्तर तक कैलोरी प्राप्त करने हेतु होने वाले खर्च से यदि अधिक आय है तो उसे गरीबी की रेखा से ऊपर मान लिया जाता था। कैलोरी की आवश्यकता शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों के लिए अलग अलग स्तर पर तय की जाती थी, इसे खाद्य गरीबी की संज्ञा भी दी जाती थी। इसके बाद, रंगराजन समिति की सिफारिशों के आधार पर गरीबी का आंकलन किया जाने लगा, जिसमें खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य, कपड़ा, मकान, शिक्षा आदि को जोड़ा गया है। भारत में वर्ष 2011-12 में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, देश की कुल जनसंख्या का, 29.5 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023-24 में घटकर 3.9 प्रतिशत रह गई है। यह एक अतुलनीय उपलब्धि मानी जा रही है। पूरे भारत वर्ष में ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विश्व बैंक के ही एक अन्य अनुमान के अनुसार, भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, (अर्थात 3 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन की आय वाले नागरिक) वर्ष 2011 में 27 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023 में घटकर 2.6 प्रतिशत हो गई है। जबकि, 4.2 अमेरिकी डॉलर तक की प्रतिदिन आय वाले नागरिकों की संख्या वर्ष 2011 के 57.7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023 में 16.1 प्रतिशत रह गई है, जिसके वर्ष 2026 में 14.2 प्रतिशत एवं वर्ष 2028 में 12.1 प्रतिशत तक नीचे रहने का अनुमान विश्व बैंक द्वारा लगाया गया है।भारत में निवासरत समस्त वर्गों, अल्पसंख्यकों सहित, के नागरिकों की गरीबी में कमी दिखाई दी है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में निवासरत अल्पसंख्यक वर्ग के नागरिकों की गरीबी तेजी से घटी है। लगभग12 वर्ष पूर्व तक जनजातीय क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों के बीच गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या 50 प्रतिशत तक थी जो अब घटकर 12 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गई है। एक प्रश्न पूछा जाता है कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में यदि इतनी कमी आई है तो फिर गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत देश के 85 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है। केंद्र सरकार के साथ साथ राज्य सरकारों द्वारा भी गरीब वर्ग की सहायता के लिए विशेष योजनाएं क्यों चलाई जा रही है। इस प्रश्न के उत्तर में यह तर्क दिया जा रहा है कि उक्त योजनाओं के माध्यम से गरीब वर्ग को सामाजिक एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इससे गरीब परिवारों को खाद्य सामग्री पर कम खर्च करना पड़ रहा है और इस मद से हुई बचत को गरीब वर्ग अपने सामाजिक स्तर में सुधार पर खर्च करने लगा है। भारत में हाल ही के समय में गरीब वर्ग की खाद्य सामग्री में फल, दूध, पनीर, दूध से बने अन्य पदार्थ, अंडे, आदि भी शामिल हो गए हैं। इससे गरीब वर्ग के पोषण एवं स्वास्थ्य में सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। इसके साथ ही, पूर्व में केंद्र सरकार को भारी मात्रा में अन्न का स्टॉक रखना पड़ता था। अन्न के स्टॉक को, बहुत बड़ी मात्रा में, चूहे नुक्सान पहुंचाते थे एवं वर्षा ऋतु में भी अन्न का भारी मात्रा में नुक्सान होता था। अब, चूंकि गेहूं एवं चावल जैसी खाद्य सामग्री को गरीब जनता के बीच सहायता के रूप में बांट दिया जाता है, इससे देश में अन्न की बचत ही हो रही है। केंद्र सरकार के अन्न को स्टोर करने की मद पर भी खर्च बहुत कम हो गया है। आज भारत में गरीब वर्ग भी गेहूं एवं चावल के स्थान पर पोषण सामग्री का अधिक उपयोग कर रहा है। 12 वर्ष पूर्व, भारत में 63 प्रतिशत नागरिकों द्वारा ताजे फलों का सेवन किया जाता था, आज यह संख्या बढ़कर 90 प्रतिशत तक पहुंच गई है। देश में दालों एवं फलों जैसी खाद्य सामग्री का उपयोग लगातार बढ़ रहा है।देश में बेरोजगारी की दर में भी भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। भारत में बेरोजगारी की दर अब घटकर 3.1 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। परंतु, विभिन्न राज्यों के बीच बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई दे रहा है। गुजरात में बेरोजगारी की दर केवल 0.9 प्रतिशत है तो छत्तीसगढ़ में केवल 1.9 प्रतिशत है। परंतु केरल में 12 प्रतिशत है तो हिमाचल प्रदेश में 17 प्रतिशत है। इतना बड़ा अंतर, राज्यों द्वारा निर्धारित की जा रही व्यापार की नीतियों में अंतर के चलते दिखाई दे रहा है।

(लेखक - प्रहलाद सबनानी)

साइबर ठगों ने भारतीयों से अब तक करीब 800 करोड़ रुपए की रकम लूटी

-सुप्रीम कोर्ट ने व्हाट्सऐप, डिजिटल कंपनियों और बैंकों से मांगा जवाब

नई दिल्ली,(ईएमएस)। साइबर ठग अब लोगों को निशाना बनाने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। इनमें डिजिटल अरेस्ट के नाम पर की जाने वाली ठगी चिंता का विषय बन गई है। सरकारी अधिकारी, पुलिस, सीबीआई और अन्य जांच एजेंसियों का अधिकारी बनकर साइबर अपराधी लोगों को फोन करते हैं और गिरफ्तारी का डर दिखाकर उनसे लाखों रुपए वसूल लेते हैं। साल 2026 में अब तक इस तरह की ठगी के जरिए भारतीयों से करीब 800 करोड़ रुपए की रकम लूटी जा चुकी है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने व्हाट्सऐप और दूसरी डिजिटल कंपनियों से जवाब मांगा है। डिजिटल अरेस्ट के मामलों में ठग खुद को किसी सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताते हैं। वे लोगों को फोन करके कहते हैं कि उनके नाम से किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल होने की शिकायत मिली है या उनके बैंक खाते का इस्तेमाल गैरकानूनी काम में हुआ है। इसके बाद गिरफ्तारी और कानूनी कार्रवाई का डर दिखाकर पीड़ित को वीडियो कॉल पर रहने के लिए मजबूर किया जाता है। कई मामलों में ठग जांच के नाम पर बैंक खाते में मौजूद रकम अपने बताए खातों



में ट्रांसफर करवा लेते हैं।सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में व्हाट्सऐप और अन्य डिजिटल कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे साइबर ठगी और डिजिटल अरेस्ट रोकने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के सामने रखें। सुनवाई में व्हाट्सऐप की ओर से बताया गया कि कंपनी ने ठगी से जुड़े करीब 9,400 खातों के खिलाफ कार्रवाई की है। इसके अलावा संदिग्ध खातों की पहचान करने और उपयोगकर्ताओं को समय रहते सतर्क करने के लिए एक विशेष सॉफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने साइबर ठगी के मामलों में बैंकों की भूमिका और जिम्मेदारी पर भी सवाल उठाए हैं। कोर्ट का कहना है कि यदि जांच में बैंक की लापरवाही सामने आती है और उसकी वजह से ग्राहक को आर्थिक नुकसान होता है, तो बैंक को उसकी भरपाई करनी पड़ सकती है। कोर्ट ने आरबीआई से ऐसे नियम बनाने को कहा है, जिनसे साइबर ठगी के मामलों में बैंकों की जवाबदेही तय हो सके। कोर्ट ने सुझाव दिया कि यदि किसी बैंक खाते से अचानक बड़ी रकम का लेन-देन होता है और वह ग्राहक के सामान्य लेन-देन के तरीके से अलग है, तो बैंक को इसकी जांच करनी चाहिए। जरूरत पड़ने पर संदिग्ध लेन-देन को अस्थायी रूप से रोका जाए और संबंधित पुलिस एजेंसी को सूचना दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस एजेंसियों से डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मामलों में दर्ज प्राथमिकी और जांच की स्थिति की जानकारी मांगी है। पुलिस को यह भी बताना होगा कि साइबर अपराधियों की पहचान करने, ठगी रोकने और आरोपियों को सजा दिलाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। इस मामले में अगली सुनवाई 23 नवंबर को होगी।

रसगुल्ला समझकर मुंह में रखा, चबाते ही फटा सुअरमार बम, युवक की मौत

परिचित पर मिठाई बताकर विस्फोटक खिलाने का आरोप, जबड़ा बुरी तरह क्षतिग्रस्त; हत्या और विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज

डिंडौरी, यशभारत। मध्यप्रदेश के डिंडौरी जिले के पड़रिया छांटा गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक युवक को उसके ही परिचित ने कथित तौर पर रसगुल्ला बताकर सुअरमार बम दे दिया। युवक ने मिठाई समझकर उसे मुंह में रखा और जैसे ही दांतों से दबाया, जोरदार धमाका हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि युवक का जबड़ा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गंभीर हालत में परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या और विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, पड़रिया छांटा निवासी राजेंद्र बरौतिया (35) मंगलवार शाम करीब सात बजे परिवार के साथ खाना खाने के बाद घर के आंगन में आग ताप रहा था। इसी दौरान रात करीब आठ बजे गांव का ही रामभगत बरौतिया उसके पास पहुंचा। दोनों के बीच बातचीत चल रही थी। आरोप है कि इसी दौरान रामभगत ने अपने पास रखा सुअरमार बम राजेंद्र को रसगुल्ला बताकर खाने के लिए दे दिया। राजेंद्र ने भी परिचित की बात पर भरोसा करते हुए उसे मिठाई समझकर मुंह में रख लिया। जैसे ही उसने दांतों से उसे दबाया, तेज धमाके के साथ विस्फोट हो गया। अचानक हुए धमाके से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राजेंद्र गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। विस्फोट में राजेंद्र का जबड़ा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। परिजन आनन-फानन में उसे ऑटो से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद नगपुरे के अनुसार, मामले में रामभगत बरौतिया के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 और विस्फोटक अधिनियम की धारा 3 एवं 4 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। फिलहाल घटना के पीछे की वजह और विस्फोटक युवक को किस परिस्थिति में दिया गया, इसकी जांच की जा रही है।

कुरुंग कुमे की भीषण आग में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

ईटानगर,(ईएमएस)। अरुणाचल प्रदेश के कुरुंग कुमे जिले में गुरुवार तड़के लगी भीषण आग में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में एक महिला और उसके तीन नाबालिग बच्चे शामिल हैं। इनमें दो बेटे और एक बेटी है। महिला का पति अभी लापता बताया जा रहा है। ऐसे में प्रशासन ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है।
डिप्टी कमिश्नर चीचुंग चुखू ने मीडिया को बताया, कि आग जिले के पारसी-पारलो कस्बे में तड़के करीब 2-30 बजे लगी और देखते ही देखते आसपास के घरों में फैल गई। आग की चपेट में आने से 19 घर पूरी तरह जलकर राख हो गए, जबकि पांच अन्य घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा। इस तरह कुल 24 घर आग से प्रभावित हुए हैं।अधिकारियों के मुताबिक आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। शुरुआती जानकारी में आशंका जताई जा रही है कि आग किसी घर के रसोईघर से शुरू हुई होगी। प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है।



नवंबर में ही कांपने लगा मध्यप्रदेश, सीजन में पहली बार 10 डिग्री से नीचे पहुंचा पारा

अगले चार दिन में एक से दो डिग्री तक और गिरेगा तापमान, उत्तर भारत की बर्फबारी के बाद बढ़ेगी ठिठुरन

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश में नवंबर की शुरुआत के साथ ही सर्दी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। प्रदेश में इस सीजन में पहली बार न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। शहडोल के कल्याणपुर में रात का पारा 9.9 डिग्री दर्ज किया गया, जो फिलहाल प्रदेश में सबसे कम है। लगातार गिरते तापमान के कारण कई इलाकों में रात और सुबह ठंड का असर बढ़ने लगा है। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस तक और गिरावट आने का अनुमान जताया है। ऐसे में नवंबर के दूसरे पखवाड़े से प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ने के आसार हैं।

बीती रात शहडोल संभाग के इलाकों में ठंड का सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। शहडोल के कल्याणपुर में न्यूनतम तापमान 9.9 डिग्री, अनूपपुर के अमरकंटक में 10.1 डिग्री और कटनी के करौंदी में 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इन तीनों स्थानों पर रात का तापमान 11 डिग्री से नीचे रहा। दमोह में भी पारा गिरकर 11.5 डिग्री पर पहुंच गया। प्रदेश में ठंड का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी के मुकाबले इंदौर में रात ज्यादा ठंडी रही। इंदौर में न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि पचमढ़ी में पारा 13.2 डिग्री रहा। इसके अलावा छिंदवाड़ा में न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री, रायसेन में 12.8 डिग्री, जबलपुर और मंडला में 13.2 डिग्री, नौगांव में 13.4 डिग्री तथा रीवा में 13.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। राजधानी भोपाल में रात का तापमान 14.2 डिग्री रहा। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है। शहडोल संभाग में रात का पारा सामान्य से करीब दो डिग्री कम, जबकि भोपाल संभाग में सामान्य से 1.9 डिग्री नीचे दर्ज किया गया है।

उत्तर भारत की बर्फबारी के बाद बढ़ेगी ठंड

मध्यप्रदेश में तापमान गिरने के पीछे उत्तर भारत में सक्रिय मौसमी परिस्थितियों को भी अहम माना जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में बर्फबारी शुरू हो गई है। मौसम विभाग के अनुसार 13 नवंबर तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में भारी बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर भारत में मौसमी गतिविधियां समाप्त होने के बाद वहां से आने वाली ठंडी उत्तरी हवाओं का असर मध्यप्रदेश में भी दिखाई देगा। इससे रात के तापमान में और गिरावट होने की संभावना है(मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले चार दिनों में प्रदेश के कई शहरों में न्यूनतम तापमान एक से दो डिग्री तक और नीचे जा सकता है। नवंबर के दूसरे पखवाड़े में ठंड का असर और तेज होने की संभावना है। ऐसे में आने वाले दिनों में रात के साथ सुबह की ठिठुरन भी बढ़ेगी। फिलहाल प्रदेश में सर्दी की शुरुआत ने ही लोगों को गर्म कपड़े निकालने पर मजबूर कर दिया है।

ISIS से जुड़े विद्रोहियों का खूनी हमला, कांगो में की 22 लोगों की हत्या; 10 से ज्यादा का अपहरण

इतुरी, एजेंसी। कांगो के पूर्वी हिस्से में इस्लामिक स्टेट यानी कि इस्लामिक स्टेट से जुड़े विद्रोहियों ने एक बार फिर खूनी हमले किए हैं। पिछले 2 दिनों में विद्रोहियों ने युगांडा की सीमा के पास स्थित कई दूरदराज के गांवों को निशाना बनाया। नागरिक संगठनों ने बुधवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इन हमलों में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से ज्यादा लोगों का अपहरण कर लिया गया। हमलों के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। बता दें कि कुछ ही दिन पहले एक और अफ्रीकी देश नाइजीरिया में भी कत्लेआम हुआ था और 62 लोगों की हत्या कर दी गई थी।नागरिक संगठनों और मानवाधिकारों पर नजर रखने वाले दो समूहों के मुताबिक, ये हमले कांगो के पूर्वी इतुरी प्रांत के मंबासा इलाके में 8 अलग-अलग स्थानों पर किए गए। हमलों को अंजाम देने वाले विद्रोही संगठन का नाम एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेज या, एडफ है। यह संगठन लंबे समय से इस क्षेत्र में सक्रिय है और आम नागरिकों को निशाना बनाता रहा है।

50 हजार की रिश्वत लेते डाक अधीक्षक गिरफ्तार, सहयोगी क्लर्क भी पकड़ा

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चंपारण प्रमंडल के डाक अधीक्षक संजीव शरण सुमन को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में उनके सहयोगी क्लर्क अभिषेक को भी गिरफ्तार किया गया है। पटना से पहुंची सीबीआई की 10 सदस्यीय टीम ने शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद टीम अपने साथ पटना ले गई। कार्रवाई की खबर फैलते ही डाक विभाग में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, मलाही डाकघर में पदस्थ कर्मचारी राहुल झा ने डाक अधीक्षक के खिलाफ सीबीआई से शिकायत की थी। शिकायत में रिश्वत मांगे जाने का आरोप लगाया गया था। इसके बाद पटना से सीबीआई की 10 सदस्यीय टीम मोतिहारी पहुंची और मामले की जांच के बाद कार्रवाई की तैयारी की।

महाराष्ट्र तीन समुद्र तटों को मिला अंतरराष्ट्रीय ब्लू फ्लैग सम्मान

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। राज्य के तीन समुद्र तटों को पहली बार प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ब्लू फ्लैग प्रमाणन मिला है। इनमें रत्नागिरी जिले के लाडघर और गुहागर तथा रायगढ़ जिले का श्रीवर्धन समुद्र तट शामिल हैं। वर्ष 2026-27 के लिए मिली इस मान्यता से अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर महाराष्ट्र की पहचान और मजबूत होने की उम्मीद है।अंतरराष्ट्रीय ब्लू फ्लैग जूरी ने निर्धारित गुणवत्ता मानकों के आधार पर इन समुद्र तटों का चयन किया है। इसके लिए समुद्र तटों की स्वच्छता, पानी की गुणवत्ता, जैव विविधता का संरक्षण, पर्यटकों की सुरक्षा, बुनियादी सुविधाओं और सतत पर्यटन प्रबंधन जैसे मानकों को आधार बनाया गया। इस उपलब्धि के पीछे राज्य के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों, ग्राम पंचायतों और बीच मैनेजमेंट कमेटियों के संयुक्त प्रयास रहे हैं।

तमिलनाडु में सड़क हादसों में प्रतिदिन हो रहीं 53 मौतें

चेन्नई,(ईएमएस)। तमिलनाडु में सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े लगातार चिंता बढ़ा रहे हैं। सड़क सुरक्षा विश्लेषण के अनुसार, 2026 के पहले नौ महीनों में राज्य में 56,602 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 14,373 लोगों की मौत हुई। यानी हर दिन औसतन 207 दुर्घटनाएं और 53 मौतें हुईं। वर्ष 2025 में रोजाना औसतन 195 दुर्घटनाएं और 51 मौतें दर्ज की गई थीं। जनवरी से जून 2026 के दौरान भी दुर्घटनाओं का दैनिक औसत करीब 206 रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग छह प्रतिशत अधिक है। इसके पीछे पुलिसकर्मियों की चुनावी ड्यूटी में व्यस्तता को भी एक कारण बताया गया है।हालांकि चेन्नई में सड़क हादसों की स्थिति में कुछ सुधार दर्ज किया गया है। जनवरी से अक्टूबर के बीच शहर में 402 लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत हुई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या 420 थी। इस तरह मृतकों की संख्या में 18 की कमी आई। घायलों की संख्या भी 2,997 से घटकर 2,865 रह गई।ट्रैफिक पुलिस (दक्षिण) के संयुक्त आयुक्त पी. पकालवन के अनुसार, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्ती और दुर्घटना संभावित स्थानों में सुधार के कारण स्थिति बेहतर हुई है।

मुरैना में तेज रफ्तार बस का कहर

मध्यप्रदेश में दो भीषण सड़क हादसे, दो मासूम भाई बहन सहित पिता-पुत्र की मौत, तीन गंभीर घायल

रतलाम में 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर रेलिंग चीरती हुई कार में घुसी

रतलाम, मुरैना ,यशभारत। मध्यप्रदेश में बुधवार को दो अलग-अलग जिलों में हुए भीषण सड़क हादसों ने चार परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया। रतलाम में दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर लोहे की रेलिंग से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रेलिंग का हिस्सा कार को चीरता हुआ भीतर तक घुस गया। हादसे में 13 वर्षीय सागर और उसकी 6 वर्षीय बहन विधि की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनके माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं मुरैना जिले में तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़े एक ही परिवार के तीन लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में 35 वर्षीय पिता रघुराज कुशवाहा और उनके 14 वर्षीय बेटे लवकुश की मौत हो गई, जबकि बुजुर्ग दादी लोहरी बाई गंभीर रूप से घायल हैं। दोनों घटनाओं में तेज



रफ्तार और सड़क सुरक्षा के इंतजामों को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। रतलाम जिले में पहला हादसा जावरा के बड़ावदा चौराहे के पास दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर बुधवार सुबह हुआ। जानकारी के अनुसार गुजरात के हारोल में रहने वाला वर्मा परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के उन्नाव का निवासी है। परिवार के मुखिया राजाबाबू वर्मा बुधवार सुबह करीब 4:30 बजे अपनी कार से गांव जाने के लिए निकले थे। कार में उनकी पत्नी रिंकु वर्मा (42), बेटा सागर और बेटी विधि सवार थे। बताया गया कि एक्सप्रेस-वे पर कार करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही थी। इसी दौरान चालक का नियंत्रण बिगड़ने से कार सड़क किनारे लगी लोहे की रेलिंग से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि रेलिंग का हिस्सा कार को चीरता हुआ अंदर तक घुस गया। हादसे में दोनों बच्चों की जान चली गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जावरा अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद राजाबाबू और उनकी पत्नी को रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। रिंकु की हालत गंभीर बताई जा रही है। दूसरी घटना मुरैना जिले में नेशनल हाईवे स्थित कुल्हौली मोड़ पर बुधवार दोपहर करीब एक बजे हुई। यहां सबलगढ़ से मुरैना की ओर जा रही तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़े एक ही परिवार के तीन लोगों को टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार बामसोली क्षेत्र के नंदापुरा निवासी 60 वर्षीय लोहरी बाई कुशवाहा अपने 14 वर्षीय नाती लवकुश के साथ कुतघान गांव में गोवर्धन पूजा का निमंत्रण खाने गई थीं। वहां से उन्हें पंचमपुरा पहाड़गढ़ जाना था। इसी दौरान उनका 35 वर्षीय बेटा रघुराज कुशवाहा



भी करजौनी में बाबू बाबा की जात करके बाइक से कुल्हौली मोड़ पहुंच गया। वह अपनी मां को दौज पर उनके मायके पंचमपुरा ले जाने की तैयारी कर रहा था। बताया गया कि तीनों को प्यास लगी थी। इसी दौरान रघुराज का चचेरा भाई सत्यवीर कुशवाहा पानी लेने के लिए सड़क के दूसरी ओर चला गया। तभी बस क्रमांक एमपी 06 पी 5277 के चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए सड़क किनारे खड़े रघुराज, लोहरी बाई और लवकुश को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में रघुराज की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल लवकुश और उसकी दादी को कैलारस अस्पताल ले जाया गया।



अब मनमाने ढंग से नहीं होगी हाईकोर्ट के जजों की ट्रांसफर-पोस्टिंग!

कॉलेजियम में बड़े बदलाव की तैयारी

नई दिल्ली(ईएमएस)। देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के तबादले और नियुक्ति की नीति में अब बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम ने मनमाने और गैर-पारदर्शी तरीकों को खत्म करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने की तैयारी की है। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कॉलेजियम ने एक नया नीतिगत ढांचा तैयार करने पर अनौपचारिक चर्चा की है। इस बैठक में बिना किसी ठोस आधार के पिक-एंड-चूज यानी मनपसंद ढंग से चयन की नीति को पूरी तरह समाप्त करने पर विशेष जोर दिया गया।वर्तमान में, उच्च न्यायालय के किसी वरिष्ठ न्यायाधीश का तबादला इसलिए भी किया जा सकता है ताकि उन्हें उस उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का पद संभालने के लिए तैयार किया जा सके। ऐसे उदाहरण भी सामने आए हैं जब वरिष्ठ न्यायाधीशों को दूसरे उच्च न्यायालय में इसलिए भेजा गया ताकि वहां के मुख्य न्यायाधीश और अन्य वरिष्ठ न्यायाधीशों के बीच आपसी तालमेल को बेहतर किया जा सके। आंतरिक जांच में न्यायाधीश की सत्यनिष्ठा पर सवाल उठने या सार्वजनिक जीवन में पद की गरिमा के विपरीत व्यवहार करने पर भी तबादले की सिफारिश की जाती रही है।

व्हाट्सऐप करने जा रहा बड़े बदलाव, एआई से लेकर डिजिटल पेमेंट तक मिलेंगी सुविधाएं

-वॉयस नोट, ग्रुप चैट, स्टिकर और वीडियो के इस्तेमाल को और आसान बनाने की तैयारी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। व्हाट्सऐप अब अपनी सेवाओं का दायरा बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। कंपनी मैसेजिंग के अलावा एआई, डिजिटल पेमेंट और रोजमर्रा के कामों को आसान बनाने वाले नए फीचर्स पर काम कर रही है। व्हाट्सऐप के नए ग्लोबल प्रमुख कुणाल शाह ने कंपनी की भविष्य की योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि आने वाले समय में इन तीन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर बातचीत के साथ-साथ दूसरे जरूरी काम पूरे करने की सुविधा देना है। जून 2026 में व्हाट्सऐप के ग्लोबल प्रमुख की जिम्मेदारी संभालने वाले कुणाल शाह ने बताया कि उन्होंने शुरुआती चार महीने उपयोगकर्ताओं की जरूरतों और उनकी अपेक्षाओं को समझने में बिताए। इसके बाद कंपनी ने अपनी भविष्य की रणनीति तैयार की। वर्तमान में दुनियाभर में व्हाट्सऐप के तीन अरब से ज्यादा यूजर्स हैं। कंपनी अब इस बड़े नेटवर्क को और उपयोगी बनाने की दिशा में काम कर रही है।



रिपोर्ट के मुताबिक कुणाल शाह ने बताया कि व्हाट्सऐप केवल संदेश भेजने वाला एप नहीं है, बल्कि यह लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी और आपसी संपर्क का अहम हिस्सा बन चुका है। लोग टेक्स्ट मैसेज, वॉयस नोट, स्टिकर और वीडियो के जरिए अपने परिवार, दोस्तों और सहकर्मियों से जुड़े रहते हैं। कंपनी इस अनुभव को बेहतर बनाने के लिए बातचीत से जुड़े फीचर्स में सुधार करेगी। इसमें वॉयस नोट, ग्रुप चैट, स्टिकर और वीडियो के इस्तेमाल को और आसान बनाने की योजना शामिल है। उन्होंने बताया कि उपयोगकर्ता हर दिन 10 अरब से ज्यादा वॉयस मैसेज और 4 अरब से ज्यादा स्टिकर भेजते हैं।
रिपोर्ट के मुताबिक व्हाट्सऐप की दूसरी बड़ी प्राथमिकता डिजिटल पेमेंट और वित्तीय सेवाओं को आसान बनाना है। कंपनी का मानना है कई जरूरी कामों की शुरुआत व्हाट्सऐप चैट से होती है, लेकिन उन्हें पूरा करने के लिए यूजर्स को दूसरे एप पर जाना पड़ता है जैसे बिल का भुगतान, पैसे उधार लेना और यात्रा में जरूरी सेवाओं का इस्तेमाल करना शामिल है। कंपनी वित्तीय सेवाएं देने वाली संस्थाओं और दूरसंचार कंपनियों के साथ मिलकर ऐसे समाधान तैयार करने की योजना बना रही है, जिससे उपयोगकर्ताओं को अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर जाने की जरूरत कम पड़े।
तीसरा अहम क्षेत्र एआई होगा। कंपनी एआई की मदद से यूजर्स के काम आसान बनाना चाहती है। इसके जरिए जरूरी जानकारी खोजना, कार्यों को पूरा करना और बुकिंग या अपॉइंटमेंट की याद दिलाना जैसी सुविधाएं विकसित करने पर जोर दे रही है। इसका उद्देश्य यूजर्स का समय बचाना और उन्हें एक बेहतर डिजिटल अनुभव देना है। कंपनी की इस योजना से साफ है कि आने वाले समय में व्हाट्सऐप केवल चैटिंग तक सीमित नहीं रहना चाहता। एआई, डिजिटल भुगतान और बेहतर संचार सुविधाओं के जरिए इसे रोजमर्रा के कई कामों के लिए एक उपयोगी मंच बनाने की तैयारी है।



इस प्रकार आप रहेंगे सेहतमंद

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप हर दिन 30 से 40 मिनट एक्सरसाइज करते हैं तो आप बहुत सी बीमारियों से दूर रहते हैं। एक सर्वेक्षण में कहा गया है अगर कोई आदमी 70 साल का है और वह हर रोज एक्सरसाइज करता है तो उसकी उम्र बढ़ जाती है और बीमारियों से भी दूर रहता है। यह स्वस्थ रहने के लिए यह सबसे बड़ा नुस्खा है।

पौष्टिक भोजन

स्वस्थ रहने के लिए अच्छा भोजन या कहें बैलेंस डाइट की बहुत जरूरत होती है क्योंकि आप जानते हैं ज्यादातर बीमारी गलत डाइट से होती है इसलिए बैलेंस डाइट को अपनाएं! आपके भोजन में उपयुक्त 3 से 5 लीटर पानी पिए हैं। फल और सब्जी खाएं, खाना को चबाकर खाएं, रात में कम खाना कम खाएं, किसी भी एक चीज का ज्यादा मात्रा में सेवन ना करें। कोशिश करें प्रकृति ने जो कुछ आपको खाने के लिए दिया है वह सबकुछ का मजा लें।

स्वस्थ मस्तिष्क

यह आपके जिंदगी का यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है! लोग इस पर ध्यान कम देते हैं ! दुख देने वाले से दूर रहें, सोते समय ना सोचे, कमाई से अधिक खर्च ना करें, किसी से झूठा वादा ना करें, जिसको आप पूरा ना कर सके, बिना मतलब का कुछ ना सोचें हैं, अच्छे लोगों से मिले हैं और उसे दोस्त करें खूब हंसे और दूसरे को हंसाने की कोशिश करें। दिमाग का सीधा रिश्ता दिल से होता है अगर आप तनाव में रहते हैं तो आपका ब्लड प्रेशर बढ़ता है जिस से बहुत सारी बीमारियां होती हैं जैसे हार्ट अटैक आदि। अपने लाइफ स्टाइल को ठीक करें जल्दी सोए और जल्दी जगे। चिंता, क्रोध, शोक, शक और दूसरों से उम्मीद करना छोड़ें।

अच्छी नींद

वैज्ञानिक मानते हैं कि नींद सबसे बड़ी दवा है आप गौर कीजिए जब आप काम करके बहुत ज्यादा थक जाते हैं। अगर आप गहरी नींद से सोते हैं तो सुबह अपने आप को आप तरोताजा पाते हैं। इसीलिए कहा जाता है अच्छी नींद का होना बहुत जरुरी है। कम नींद होना या ज्यादा नींद का होना इसका सीधा प्रभाव स्वास्थ्य पड़ता है। वैज्ञानिक अध्ययन से पाया गया है कि 8 घंटा से ज्यादा और 6 घंटे से कम नहीं सोना चाहिए। सोते समय सोचना नहीं चाहिए जिससे आपकी नींद खराब होती है और आप सही सोच भी नहीं पाते हैं क्योंकि आप थके हुए होते हैं! लोग अपनी बीमारियों को डालने की कोशिश करता है या फिर अपनी बीमारियों को झूठलाता है कि मुझे यह बीमारी नहीं है इसका चयन स्वयं करें। डॉक्टरी सलाह अवश्य लें समय रहते अगर आप डॉक्टर से मिलते हैं तो आप का इलाज कम खर्च में जल्दी हो जाता है। विश्व स्वास्थ संगठन अपने गाइडलाइंस में कई बार बता चुका है कि आप हर रोज पांच अलग कलर का फल खाएं! संडे हो या मंडे हर दिन एक अंडे कम से कम खाएं। साफ पानी तीन से 5 मीटर हर दिन पीने की कोशिश करें! दूध का इस्तेमाल करें चाय पीने में दूध का इस्तेमाल होना इसे दूध का सेवन नहीं माना जाता है दूध पिए हैं या धूप से बना हुआ खाना खाएं।

तनाव, अनिद्रा व नशे से होता है पेटदर्द

नई दिल्ली, एजेंसी। तनाव, अनिद्रा व नशे का प्रभाव पेट पर पड़ता है और इससे कब्ज के साथ ही पेटदर्द भी होता है। इसका कारण यह है कि जब दिमाग में नकारात्मक विचार आते हैं तो आंतों पर असर होता है जिससे पेटदर्द व कब्ज की शिकायत होती है। आईबीएस यानी इरिटेबल बाउल सिंड्रोम पाचनतंत्र से जुड़ी आम समस्या है। इसकी एक बड़ी वजह तनाव या अन्य कारणों से मस्तिष्क की कार्यप्रणाली प्रभावित होना है। जब दिमाग में नकारात्मक विचार आते हैं तो आंतों पर असर होता है जिससे पेटदर्द व कब्ज की शिकायत होती है। वहीं व्यक्ति जब नींद लेता है तो उसे इन लक्षणों का अहसास नहीं होता।

लक्षण

पेटदर्द, ऐंठन, आंतों का काम बंद होना, दस्त, तनाव, कब्ज, नींद की कमी व एसिडिटी आईबीएस के प्रमुख लक्षण हैं। पेट का ठीक से साफ न होना व खट्टी डकारें आना। जी मिचलाना और दिन में बार-बार मल त्याग की इच्छा होना। गंभीर स्थिति (60 प्रतिशत मामले) में बुखार आना और खून की कमी। शरीर में पानी की कमी और अपच। स्वस्थ व्यक्ति की आंतों का संतुलन अचानक बिगडऩे का कारण तनाव, अनिद्रा और नशा प्रमुख वजह हैं। जठराग्नि के गड़बड़ाने से भी व्यक्ति के दिमाग में वहम की स्थिति बनी रहती है और वह खुद को रोगी मानने लगता है। पुराने चावल, तुरई, लौकी, अनार, मूंग की दाल, ज्वार, सौंठ, कालीमिर्च, अदरक, लस्सी, धनिया, पुदीना, इलायची व जीरा विभिन्न तरह से प्रयोग में लें। कुछ मामलों में आईबीएस के कारण सिरदर्द, कमरदर्द, जोड़ों व सीने में दर्द होता है। अप्रत्यक्ष रूप से ऐसा एसिडिटी के कारण भी हो सकता है। मक्के की रोटी, आलू, कद्दू, जिमिकंद, अनानास, लोबिया, राजमा, प्याज, बेसन आदि से बनी चीजों को कम या न के बराबर ही खाएं।



आईबीएस का इलाज लक्षणों के आधार पर होता है। प्लेसिबो तकनीक से रोगी का इलाज करते हैं। इसमें मरीज को दिमागी कार्यप्रणाली सुचारू करने के लिए दवाएं दी जाती हैं। पेट में दर्द, ऐंठन, कब्ज या दस्त, बुखार आदि समस्याओं में दवाएं दी जाती हैं। साथ ही शरीर में पानी की कमी होने पर इंट्रावेनस फ्लूड बाहरी रूप से देते हैं। दिमाग को तंदुरुस्त रखने के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड युक्त चीजें खाने और मेडिटेशन आदि करने की सलाह देते हैं। तनाव से बचने के लिए नियमित योग और व्यायाम करें। कैफीन युक्त चीजें जैसे चाय, कॉफी या शीतल पेय न लें। खानपान पर विशेष ध्यान दें, रोजाना 8 -9 गिलास पानी पीएं। कब्ज के कारण वाले पदार्थ जैसे शराब-सिगरेट से दूर रहें। फाइबरयुक्त फूड जैसे केला, सेब, गाजर आदि खाएं। तलाभुना व मसालेदार भोजन न करें। फूलगोभी, पत्तागोभी और मिर्च न खाएं। मानसिक रूप से यदि कोई तनाव, अवसाद का रूप ले रहा है तो परिवार के सदस्यों और दोस्तों से बात साझा करें। आयुर्वेद में इस रोग को गृहणी दोष कहते हैं। इसमें रोगी को किसी प्रकार का गंभीर रोग होने की आशंका रहती है। कच्चे बील का चूर्ण, नमकीन छाछ (भुना जीरा, काला नमक व पुदीना मिली हुई), पीने से फायदा होता है। ब्राह्मी, शंखपुष्पी, अश्वगंधा का प्रयोग उपयोगी है। मेडिटेशन, शवासन व प्राणायाम करने से राहत मिलती है।



गर्म पानी के साथ गुड़ का सेवन है लाभदायक

नई दिल्ली, एजेंसी। *गुड़ का सेवन सेहत के लिए लाभदायक होता है। अगर आपका पेट बाहर निकल रहा है और वजन भी बढ़ रहा है तो ऐसे हालात में आपको गुड़ के साथ गर्म पानी का सेवन जरूर करना चाहिए। आपको दो टुकड़ा गुड़ ले लेना है और उसके बाद एक ग्लास गर्म पानी पी लेना है। गुड़ में मौजूद पोटैशियम, विटामिन बी1 और बी6 के साथ मैग्नीशियम भी पाया जाता है। इसके नियमित तौर पर इसका सेवन करते हैं तो इससे एक्स्ट्रा कैलरीज बर्न करने में मदद मिलती है.*

नींद न आने की समस्या से राहत

अगर आप रात के समय ठीक से सो नहीं पाते हैं या फिर रात को सोते समय आपको बेचैनी महसूस होती है तो ऐसे में आपको गुड़ के साथ गर्म पानी का सेवन जरूर करना चाहिए। गुड़ में आपको एंटी-डिप्रेसेंट प्रॉपर्टीज पाए जाते हैं जो स्ट्रेस लेवल्स को कम करते हैं और इसके साथ ही बेहतर नींद आने में आपकी मदद करते हैं.

पेट की कई समस्याओं से मुक्ति

अगर आपको पेट से जुड़ी कोई समस्या है तो ऐसे में आपको हर रात सोने से पहले एक टुकड़े गुड़ के साथ एक ग्लास गर्म पानी पी लेना चाहिए। इसके नियमित सेवन से आपका पेट साफ होता है कब्ज की समस्या से छुटकारा मिल सकता है.

तीन प्रकार की होती है हरड़

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वस्थ रहने के लिए हरड़ का प्रयोग नियमित करना चाहिए। शास्त्र में इसकी सात जातियां बतायी गयी है। विजया, रोहिणी, पूतना, अमृता, अभया, जीवंती और चैतकी। व्यावहारिक दृष्टिकोण से तीन प्रकार की होती है। छोटी हर्रे, पीली हर्रे और बड़ी हर्रे। यह तीनों एक ही वृक्ष के फल है। यह कॉम्ब्रेटेसी परिवार का पौधा है। इसका उपयोगी भाग फल है।इसका वृक्ष विशाल लगभग 80-100 फीट ऊंचा होता है। फूल छोटा, सफेद या पीले रंग का होता है। फल एक से डेढ़ इंच लंबा अंडाकार, पृष्ठ भाग पर पांच रेखाओं से युक्त, कच्चा में हरा, पकने पर धूसर पीला रंग का हो जाता है। प्रत्येक फल में एक बीज होता है। पके हुए फलों का संग्रहण अप्रैल-मई माह में करना चाहिए। यह कफ वात व पित जनित रोगों में उपयोगी है। पाचन शक्ति बढ़ती है। खांसी, सांस, कुष्ठ, बवासीर, पुराना ज्वर, मलेरिया, गैस, अपच, प्यास, त्वचा रोग, पेशाब की जलन, आंखों के रोग, दस्त, पीलिया आदि में लाभदायक है। खट्टेपन से वात रोगों को दूर करती है। चटपटेपन से पित रोग और कसैलेपन से कफ का नाश करती है। इसका सेवन बरसात में सेंधा नमक के साथ, जोड़ों में मिश्री के साथ, हेमंत ऋतु में सोंठ के साथ, बसंत ऋतु में शहद के साथ, गर्मी में गुड़ के साथ करना चाहिए। खाना खाने से पहले इसे लेने से भूख बढ़ती है। बाद में खाने से खाना आसानी से पचता है छोटी हर्रे का चूर्ण लगभग चार से छह ग्राम रात में भोजन करने के एक से दो घंटे बाद पानी के साथ प्रयोग करने से कब्ज की समस्या दूर होती है। इसका चूर्ण गुड़ व गिलोथ के काढ़े के साथ प्रयोग करने से गठिया में आराम मिलता है। इसे तंबाकू की तरह चिलम में रखकर पीने से सांस की समस्या दूर होती है मुख व गले के रोगों में इसका काढ़ा बना कर कुल्ला किया जाता है। इसका चूर्ण दो ग्राम गुड़ के साथ खाना चाहिए। छोटी हर्रे को सुपारी की तरह छोटा-छोटा टुकड़ा कर लें और दिन में खाना खाने के बाद लगभग एक टुकड़े को मुंह में डाल कर अच्छी तरह से चबाना चाहिए। इसके नियमित प्रयोग से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।



ईपीएफओ की न्यूनतम पेंशन तीन हजार रुपये करने की मांग पर 19 नवंबर को हो सकता है विचार

नई दिल्ली, एजेंसी। निजी क्षेत्र में नौकरी कर चुके लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए न्यूनतम पेंशन बढ़ाने की मांग एक बार फिर चर्चा में है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत मिलने वाली न्यूनतम मासिक पेंशन को मौजूदा एक हजार रुपये से बढ़ाकर तीन हजार रुपये करने का प्रस्ताव सामने आया है। माना जा रहा है कि 19 नवंबर को गुजरात के गिर में होने वाली केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) की बैठक में इस मुद्दे पर विचार किया जा सकता है। हालांकि, पेंशन बढ़ाने को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक फैसला नहीं हुआ है। ईपीएफओ के तहत कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) से जुड़े पेंशनभोगियों को फिलहाल न्यूनतम एक हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जाती है। कर्मचारी संगठनों और ट्रेड यूनियनों का कहना है कि मौजूदा पेंशन राशि आज की महंगाई के दौर में पर्याप्त नहीं है। उनका तर्क है कि लंबे समय तक निजी क्षेत्र में काम करने के बाद सेवानिवृत्त हुए लोगों के लिए एक हजार रुपये में रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल है। इसी वजह से वे लंबे समय से न्यूनतम पेंशन में बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, देश में ईपीएफओ की पेंशन योजना से करीब 81.48 लाख पेंशनभोगी जुड़े हुए हैं। न्यूनतम पेंशन को तीन हजार रुपये करने का प्रस्ताव लागू होने पर इन लोगों को राहत मिल सकती है। हालांकि, अभी यह केवल मांग और प्रस्ताव के स्तर पर है। 19 नवंबर को होने वाली सीबीटी की बैठक में इस पर चर्चा होती है या नहीं और



आगे क्या निर्णय लिया जाता है, यह स्पष्ट होना बाकी है। ईपीएफओ की न्यूनतम पेंशन में आखिरी बार वर्ष 2014 में बदलाव किया गया था। उस समय न्यूनतम मासिक पेंशन को 250 रुपये से बढ़ाकर एक हजार रुपये किया गया था। इसी दौरान ईपीएफओ के तहत पेंशन की गणना के लिए वेतन सीमा भी 6,500 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये प्रतिमाह कर दी गई थी। इसके बाद से न्यूनतम पेंशन में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। वर्ष 2014 के बाद से ही पेंशनभोगी और कर्मचारी संगठन न्यूनतम पेंशन की राशि बढ़ाने की मांग उठाते रहे हैं। उनका कहना है कि बीते वर्षों में महंगाई और जीवनयापन का खर्च लगातार बढ़ा है, लेकिन न्यूनतम पेंशन की राशि पहले जैसी ही बनी हुई है। ऐसे में तीन हजार रुपये न्यूनतम पेंशन करने की मांग को फिर से प्रमुखता मिली है। पेंशनभोगियों को उम्मीद है कि आगामी बैठक में इस विषय पर सकारात्मक चर्चा हो सकती है। निजी क्षेत्र के पात्र कर्मचारियों के वेतन से हर महीने भविष्य निधि यानी पीएफ में योगदान किया जाता है। सामान्य तौर पर कर्मचारी अपने मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 12 प्रतिशत हिस्सा पीएफ खाते में जमा करते हैं। नियोक्ता भी इतनी ही राशि का योगदान करता है। हालांकि, नियोक्ता के कुल 12 प्रतिशत योगदान का पूरा हिस्सा कर्मचारी के पीएफ खाते में नहीं जाता, बल्कि इसका एक हिस्सा कर्मचारी पेंशन योजना के लिए निर्धारित होता है। नियोक्ता के 12 प्रतिशत योगदान में से 8.33 प्रतिशत हिस्सा कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) में जमा किया जाता है, जबकि शेष 3.67 प्रतिशत कर्मचारी के ईपीएफ खाते में जाता है। इस तरह कर्मचारी और नियोक्ता के योगदान का बंटवारा अलग-अलग मदों में होता है। ईपीएस में जमा होने वाली राशि का उपयोग पात्र कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन देने के लिए किया जाता है। मौजूदा 15 हजार रुपये की ईपीएस वेतन सीमा के आधार पर नियोक्ता की ओर से पेंशन योजना में अधिकतम मासिक योगदान 1,249.50 रुपये होता है।

दिवाली पर हवाई सफर महंगा उड़ानों में भी छह फीसदी की कटौती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में दिवाली का त्योहार आमतौर पर हवाई यात्रा के लिहाज से सबसे व्यस्त समय में शामिल होता है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग परिवार के साथ त्योहार मनाने के लिए अपने घरों का रुख करते हैं। हालांकि, इस साल यात्रियों को महंगे टिकट और कम उड़ानों की दोहरी परेशानी का सामना करना पड़ा। परिचालन लागत में लगातार बढ़ोतरी के दबाव में एयरलाइंस ने अपनी उड़ानों की संख्या घटा दी, जिससे त्योहार के दौरान हवाई यात्रा करना लोगों के लिए महंगा हो गया। एविएशन विश्लेषण कंपनी सिरियम के आंकड़ों के अनुसार, भारतीय एयरलाइंस ने अक्टूबर और नवंबर 2026 में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब छह फीसदी कम उड़ानें निर्धारित की हैं। कोरोना महामारी के बाद यह पहला मौका है, जब दिवाली के आसपास उड़ानों की संख्या में सालाना आधार पर गिरावट दर्ज की गई है। त्योहार के समय आमतौर पर यात्रियों की संख्या बढ़ती है और एयरलाइंस अधिक उड़ानें संचालित करती हैं, लेकिन इस बार लागत के दबाव ने कंपनियों की क्षमता पर असर डाला है।



उड़ानों की संख्या घटने और त्योहार के दौरान यात्रा की मांग बढ़ने से कई मार्गों पर हवाई किराए में काफी उछाल आया है। इसका असर उन यात्रियों पर अधिक पड़ा, जिन्हें कम समय में यात्रा की योजना बनानी पड़ी। हैदराबाद से सिलीगुड़ी जाने वाले एक यात्री को एक तरफ के टिकट के लिए 20 हजार रुपये से अधिक खर्च करने पड़े। बताया गया कि यह किराया सामान्य दिनों में आने-जाने के टिकट के बराबर था। ऐसे में त्योहार पर घर जाने की योजना बना रहे लोगों का बजट प्रभावित हुआ। महंगे टिकटों का असर हवाई यात्रा की मांग पर भी दिखाई देने लगा है। सितंबर 2026 में देश में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 6.5 फीसदी घट गई।

यूपीआई भुगतान पर नए शुल्क की तैयारी, 2,000 रुपये से अधिक के चुनिंदा लेनदेन पर लगेगा एमडीआर

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन समाप्त होने के बाद अब यूपीआई से भुगतान करने वाले लोगों और कारोबारियों की नजर प्रस्तावित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) पर टिकी है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की ओर से यूपीआई लेनदेन पर नए शुल्क लागू करने की तारीख का ऐलान जल्द किया जा सकता है। पहले इन शुल्कों को 15 अक्टूबर से लागू करने की योजना थी, लेकिन दिवाली और त्योहारी खरीदारी को देखते हुए इनके क्रियान्वयन को टाल दिया गया था। अब त्योहारों का सिलसिला समाप्त होने के बाद व्यापारियों और भुगतान सेवा से जुड़े लोगों को नई तारीख की घोषणा का इंतजार है। एनपीसीआई के प्रस्तावित नियमों के अनुसार, दो



हजार रुपये से अधिक के चुनिंदा पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) यूपीआई लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लगाया जा सकता है। यह शुल्क उन भुगतानों पर लागू होगा, जिनकी श्रेणी प्रस्तावित नियमों के दायरे में आती है। हालांकि, प्रति लेनदेन शुल्क की अधिकतम सीमा 300 रुपये तय की गई है। इसका मतलब है कि भुगतान की राशि अधिक होने पर भी व्यापारी को एक लेनदेन के लिए अधिकतम 300 रुपये ही शुल्क देना होगा। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी व्यापारी को यूपीआई के माध्यम से एक लाख रुपये का भुगतान मिलता है, तो प्रस्तावित दर के अनुसार 0.4 प्रतिशत शुल्क 400 रुपये बनता है। लेकिन अधिकतम सीमा 300 रुपये होने के कारण व्यापारी को केवल 300 रुपये ही देने होंगे। इस व्यवस्था के तहत शुल्क की गणना भुगतान की राशि के आधार पर होगी, लेकिन तय सीमा से अधिक रकम नहीं ली जाएगी। हालांकि, यह नियम सभी प्रकार के यूपीआई भुगतानों पर लागू नहीं होगा। कुछ विशेष क्षेत्रों के लिए रियायती शुल्क का प्रस्ताव रखा गया है। रेलवे, दूरसंचार, बीमा और पेट्रोल-डीजल जैसे क्षेत्रों में दो हजार रुपये से अधिक के भुगतान पर प्रति लेनदेन पांच रुपये शुल्क निर्धारित करने की बात कही गई है।

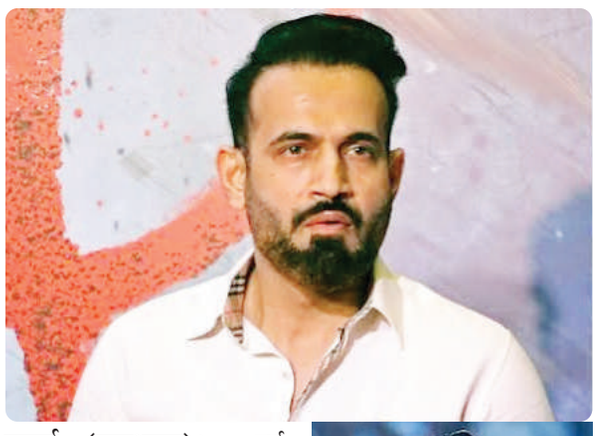
मदर डेयरी ने दूध के दाम दो से चार रुपये प्रति लीटर बढ़ाए

नई दिल्ली, एजेंसी। मदर डेयरी ने बढ़ती लागत का हवाला देते हुए दूध की कीमतों में दो से चार रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। नई दरें 12 नवंबर से लागू होंगी। दिल्ली-एनसीआर में दूध की सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता कंपनी ने अपने खुले दूध की विभिन्न किस्मों के साथ पैकेट वाले दूध के दाम भी बढ़ाए हैं। कीमतों में इस बदलाव से उपभोक्ताओं को अब दूध खरीदने के लिए पहले से अधिक राशि खर्च करनी होगी। कंपनी ने इससे पहले 14 मई 2026 को दूध के दाम बढ़ाए थे। इसके पहले अप्रैल 2025 में कीमतों में संशोधन किया गया था। सूत्रों के मुताबिक, किसानों से दूध की खरीद कीमतों में वृद्धि होने के कारण कंपनी की लागत बढ़ गई है। इसी वजह से बढ़ी हुई लागत का कुछ बोझ उपभोक्ताओं पर डालने का फैसला किया गया है। मदर डेयरी अपनी दूध बिक्री से होने वाली आय का करीब 75 से 80 प्रतिशत हिस्सा किसानों को देती है। ऐसे में दूध की खरीद कीमतों में बदलाव का असर कंपनी की कुल लागत पर पड़ता है। हालांकि, कंपनी के प्रवक्ता ने कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। नई दरों के



अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में टोंड दूध (थोक वितरण) की कीमत 58 रुपये से बढ़ाकर 60 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। वहीं, फुल क्रीम दूध के एक लीटर पाउच की कीमत 72 रुपये से बढ़कर 76 रुपये हो गई है। इस किस्म के दूध के दाम में चार रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। कंपनी की ओर से अलग-अलग किस्मों के दूध की कीमतों में उनकी लागत के हिसाब से संशोधन किया गया है। टोंड दूध के एक लीटर पाउच की कीमत भी 60 रुपये से बढ़ाकर 62 रुपये कर दी गई है। डबल टोंड दूध अब 54 रुपये के बजाय 56 रुपये प्रति लीटर मिलेगा। इसके अलावा गाय के दूध की कीमत 62 रुपये से बढ़ाकर 65 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। इस तरह गाय के दूध के दाम में तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। नई कीमतें लागू होने के बाद इन सभी किस्मों के दूध के लिए उपभोक्ताओं को अधिक भुगतान करना होगा। मदर डेयरी दिल्ली-एनसीआर के बाजार में प्रतिदिन करीब 35 लाख लीटर दूध बेचती है। कंपनी की कुल दैनिक दूध बिक्री 50 लाख लीटर से अधिक है। इस तरह कंपनी देश के प्रमुख दूध आपूर्तिकर्ताओं में शामिल है। दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में परिवारों की दूध की जरूरतें मदर डेयरी के माध्यम से पूरी होती हैं। कीमतों में बढ़ोतरी का असर इस बड़े उपभोक्ता वर्ग पर पड़ेगा। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में बेहतर मांग के दम पर अपने कारोबार में 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी। उसका कुल कारोबार बढ़कर 20,300 करोड़ रुपये हो गया था। इस दौरान दूध उत्पादों और खाद्य तेलों की मांग में बढ़ोतरी ने कारोबार को आगे बढ़ाने में योगदान दिया। कंपनी दूध और उससे जुड़े उत्पादों के अलावा खाद्य तेलों के कारोबार में भी सक्रिय है। वर्ष 1974 में स्थापित मदर डेयरी राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। कंपनी का दूध कारोबार मुख्य रूप से किसानों से खरीद और उपभोक्ताओं तक आपूर्ति की व्यवस्था पर आधारित है।

अर्शदीप के आने से मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी मजबूत हुई : इरफान पठान





मुम्बई (यशभारत)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के आने से मुम्बई इंडियंस टीम और भी मजबूत हो गयी है। अर्शदीप ट्रेड डील में हार्दिक पांड्या के पंजाब में जाने से बदले में मुम्बई इंडियंस को मिले हैं। इस ट्रेड डील के बाद से क्रिकेट जगत में हलचल मची हुई है। इसी को लेकर पठान ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। पठान का मानना है कि अर्शदीप के आने से मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का और भी प्रभावी तरीके से इस्तेमाल करने का अवसर मुम्बई को मिलेगा, साथ ही टीम के विदेशी खिलाड़ियों के स्लॉट पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा।

इरफान पठान का मानना है कि अर्शदीप के आने से मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी में जबरदस्त गहराई आयी है। साथ ही कहा कि टीम के पास अब बुमराह के अलावा दीपक चाहर, ट्रेंट बोल्ट और अर्शदीप सिंह जैसे अनुभवी गेंदबाज हो गये हैं। ये सभी गेंदबाज पावरप्ले में विरोधी बल्लेबाजों को दबाव में डालने की क्षमता भी रखते हैं। इसके अतिरिक्त टीम के पास बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार का विकल्प भी उपलब्ध है, जिन्होंने फ्रेंचाइजी के लिए अपने 10 मुकाबलों में 17 विकेट हासिल किए हैं, जिससे शुरुआती ओवरों में कप्तान के पास कई विकल्प होंगे। वहीं डेथ ओवरों की बात करें तो, मुंबई इंडियंस के लिए अर्शदीप और बुमराह मिलकर विरोधी बल्लेबाजी को धवस्त कर सकते हैं। ये दोनों ही गेंदबाज दबाव की परिस्थितियों में शानदार गेंदबाजी करने और महत्वपूर्ण समय पर विकेट निकालने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में मुंबई के पास पारी के दो अहम चरणोंङ्क पावरप्ले और डेथ ओवर में विकेट लेने वाले कई मजबूत विकल्प होंगे। यह कप्तान को गेंदबाजी में रणनीति बनाने की अधिक आजादी देने के साथ ही प्रयोगों में लचीलापन रखने की अनुमति देंगे। कुल मिलाकर, देखा जाये तो अर्शदीप के आने के बाद मुंबई टीम का गेंदबाजी संयोजन काफी मजबूत नजर आ रहा है, जो आईपीएल 2027 में विपक्षी टीमों के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि हार्दिक पांड्या के पंजाब किंग्स में जाने और अर्शदीप के मुंबई में आने से दोनों टीमों की किस्मत पर क्या असर पड़ता है।

आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ के सामने अलग पहचान बनाने की दोहरी चुनौती

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट के दो महान दिग्गजों, वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़, जिन्होंने अपने खेल से अनगिनत प्रशंसकों के दिलों में जगह बनाई, अब उनके बेटों - आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ ने भी क्रिकेट के मैदान पर कदम रखा है। इन युवा खिलाड़ियों के सामने अपने पिता की अविश्वसनीय विरासत को आगे बढ़ाने के साथ-साथ अपनी एक अलग पहचान स्थापित करने की दोहरी चुनौती है, जिसने क्रिकेट जगत में उत्सुकता पैदा कर दी है।

हाल ही में अंडर-19 एशिया कप में आर्यवीर सहवाग ने यूएई के खिलाफ एक शानदार शतकीय पारी खेलकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने 168 गेंदों पर 160 रन बनाए, जिसमें 17 चौके और 7 छक्के शामिल थे, जो उनकी आक्रामक शैली और बड़े स्कोर बनाने की क्षमता को दर्शाता है। वे नियमित रूप से क्रिकेट अकादमी में अभ्यास करते हैं और उनके पिता वीरेंद्र सहवाग स्वयं भी उन्हें प्रशिक्षण देते हैं। दिलचस्प बात यह है कि वीरेंद्र सहवाग चाहते थे कि आर्यवीर क्रिकेट के बजाय फुटबॉल खेलें, लेकिन बेटे का रुझान आखिरकार क्रिकेट की ओर रहा। आर्यवीर का मानना है कि वे हर गेंद पर छक्का मारने की बजाय, पहले विकेट पर टिकने और फिर एक बड़ी पारी खेलने पर ध्यान





केंद्रित करते हैं। उन्हें अपने सरनेम सहवाग पर गर्व है और यह उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है।

वहीं, राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ भी अपनी क्रिकेट प्रतिभा को निखारने में लगे हैं। उन्होंने एशियन यूथ गेम्स में श्रीलंका के खिलाफ 67 गेंदों पर 87 रनों की प्रभावी पारी खेली थी। अन्वय कर्नाटक की अंडर-14 और अंडर-16 टीमों के लिए भी खेल चुके हैं और नियमित रूप से विकेटकीपिंग का अभ्यास करते हैं, जो उनके पिता राहुल द्रविड़ की तरह बहुमुखी प्रतिभा का संकेत है, जिन्होंने 2003 विश्व कप में भारतीय टीम के लिए विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभाली थी। अन्वय को बल्लेबाजी की तकनीकी बारीकियां समझने में अपने पिता से मूल्यवान मार्गदर्शन मिलता है। हालांकि, यूएई और पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही के मैचों में वे लंबी पारी नहीं खेल सके, लेकिन क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी युवा खिलाड़ी का भविष्य कुछेक मैचों के प्रदर्शन से नहीं आँका जा सकता।

भारतीय क्रिकेट को इन दोनों युवाओं से काफी उम्मीदें हैं, लेकिन यह भी सत्य है कि केवल किसी महान खिलाड़ी का बेटा होना सफलता की गारंटी नहीं होता। इसके लिए निरंतर कड़ी मेहनत, अनुशासन, ठोस तकनीक, अच्छी फिटनेस और मानसिक मजबूती अनिवार्य है। एक तरफ आर्यवीर में सहवाग जैसी आक्रामक बल्लेबाजी की झलक देखने की उम्मीद की जा रही है, तो दूसरी तरफ अन्वय में राहुल द्रविड़ की तरह तकनीकी रूप से मजबूत और धैर्यवान क्रिकेटर बनने की संभावनाएं दिखाई देती हैं। अभी इनके करियर की शुरुआत है, और इन्हें अनावश्यक दबाव के बिना आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए, ताकि वे अपनी विशिष्ट प्रतिभा से भारतीय क्रिकेट में एक अलग और यादगार मुकाम हासिल कर सकें।

मुंबई इंडियंस, नये कप्तान का चयन सोच समझकर समय आने पर करेगी

मुम्बई (यशभारत)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 से ठीक पहले कप्तान हार्दिक पांड्या के पंजाब किंग्स में जाने से अब मुंबई इंडियंस को नये कप्तान की घोषणा करनी है। इसी को लेकर फ्रैंचाइजी प्रबंधन का कहना है कि सोच विचार के बाद ही सही समय पर नये कप्तान की घोषणा कर दी जाएगी। इस घोषणा के बाद से ही पांच बार टीम को खिताब जिताने वाले रोहित शर्मा की कप्तानी में वापसी की चर्चाऐं शुरु हो गयी हैं। रोहित के अलावा सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और युवा तिलक वर्मा भी कप्तान के दावेदार माने जा रहे हैं।

मुंबई इंडियंस ने कहा है कि आगामी सत्र को देखते हुए फ्रेंचाइजी अपने कप्तानी विकल्पों का आंकलन सोच-समझकर करेगी। टीम की कप्तानी को लेकर घोषणा समय आने पर ही की जाएगी। यह बयान दर्शाता है कि टीम मैनेजमेंट किसी भी जल्दबाजी में नहीं है और वे टीम के भविष्य के नेतृत्व के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प तलाश रहे हैं। फ्रेंचाइजी के लिए यह फैसला आगामी रिटेंशन डेडलाइन और मिनी ऑक्शन की रणनीति के लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आईपीएल 2027 के लिए खिलाड़ियों को रिटेन करने की अंतिम तारीख 17 नवंबर है, जबकि 16 दिसंबर को गोवा में मिनी ऑक्शन का आयोजन किया जाएगा। ऐसे में, मुंबई इंडियंस को अपनी टीम का संयोजन और उसके नेतृत्व दोनों को इन महत्वपूर्ण तिथियों से पहले तय करना होगा। हार्दिक का मुंबई इंडियंस के साथ एक लंबा और सफल सफर समाप्त हो गया है।



उन्होंने 2015 में मुंबई के साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी और एक युवा खिलाड़ी से दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडर के रूप में उभरे थे। उन्होंने मुंबई को चार आईपीएल खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी।ट्रेड डील के तहत, हार्दिक पांड्या अब पंजाब किंग्स में चले गये हैं। अब सभी की निगाहें मुंबई इंडियंस की आधिकारिक घोषणा पर टिकी हैं कि आईपीएल 2027 में कौन सा खिलाड़ी पांच बार की चैंपियन टीम का नेतृत्व करेगा। यह एक ऐसा निर्णय है जो टीम के आगामी प्रदर्शन पर गहरा प्रभाव डालेगा।

अगले माह होंगे भारतीय ओलंपिक संघ चुनाव, 30 महासंघ करेंगे मतदान

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की कार्यकारी परिषद के बहुप्रतीक्षित चुनाव 5 दिसंबर को होने जा रहे हैं, जिसमें देश के 30 राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के प्रतिनिधि नए नेतृत्व का चुनाव करेंगे। हालांकि, इस चुनावी प्रक्रिया में राष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई), भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) और इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) जैसे कुछ महत्वपूर्ण खेल महासंघों को अपनी आंतरिक समस्याओं के कारण मतदान से बाहर कर दिया गया है। , जिससे आगामी चुनावों में कुछ बड़े खेलों की अनुपस्थिति स्पष्ट हो गई है।

कुल 71 मतदाता आईओए के अगले शीर्ष अधिकारियों का चुनाव करेंगे। इसमें मुक्केबाजी महासंघ को उसकी गहरी आंतरिक गुटबाजी के चलते बाहर रखा गया है, जो भारतीय मुक्केबाजी के लिए एक चिंताजनक स्थिति पैदा करता है। इसी प्रकार, तदर्थ समिति द्वारा संचालित टीटीएफआई को भी मतदान का अधिकार नहीं मिला है। इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) के मामले में बाधा यह है कि इसके एक गुट को आईओए और दूसरे को खेल मंत्रालय ने मान्यता दे रखी है, जिसके परिणामस्वरूप उसे भी निर्वाचक मंडल से बाहर रखा गया है। यह उन महासंघों के लिए एक स्पष्ट संदेश है जिन्हें अपनी आंतरिक संरचनाओं को ठीक करने की आवश्यकता है ताकि वे भारतीय ओलंपिक परिवार का सक्रिय हिस्सा बने रह सकें।

निर्वाचक मंडल में शामिल 30 राष्ट्रीय खेल महासंघों को पांच दिसंबर के चुनाव के लिए एक पुरुष और एक महिला प्रतिनिधि नामित करना होगा।

रंग संसार

गुजरात बोर्ड की टॉपर पायल ने की है कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई



मुंबई (यशभारत)। बॉलीवुड अभिनेत्री पायल रोहतगी अपने बेबाक अंदाज और निजी जिंदगी से जुड़े खुलासों के कारण अक्सर चर्चा में रहती हैं। पायल ने फिल्मों से लेकर रियलिटी शोज तक अपनी अलग पहचान बनाई है। बड़े पर्दे पर अभिनय करने के साथ-साथ उन्होंने छोटे पर्दे के कई लोकप्रिय कार्यक्रमों में भी हिस्सा लिया है। बिग बॉस से लेकर लॉकअप तक उनका सफर दर्शकों के बीच खासा चर्चित रहा है। पायल रोहतगी का जन्म 9 नवंबर 1980 को हैदराबाद में हुआ था। पढ़ाई में अच्छी रहने वाली पायल ने कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। वह गुजरात बोर्ड की टॉपर भी रह चुकी हैं। हालांकि, पढ़ाई पूरी करने के बाद उनका रुझान अभिनय और मॉडलिंग की ओर बढ़ने लगा। साल 2000 में उन्होंने फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसके बाद मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा और कई विज्ञापनों में काम किया। धीरे-धीरे उन्हें फिल्मों में भी अवसर मिलने लगे। पायल ने साल 2002 में फिल्म ये क्या हो रहा है से बॉलीवुड में शुरुआत की। इसके बाद वह तुमसे मिलकर, प्लान, पुलिस फोर्स-एन इनसाइड स्टोरी, रक्त, तौबा तौबा, लैला-ए-मिस्ट्री और चेतना-द एक्साइटमेंट जैसी फिल्मों में नजर आई। साल 2006 में रिलीज हुई फिल्म 36 चाइना टाउन में उन्होंने ग्रेसी का किरदार निभाया था। इसी साल वह फिल्म कॉरपोरेट में भी दिखाई दीं।

इसके अलावा ढोल, हे बेबी, अपना सपना मनी मनी, उगली और पगली, दिल कबड्डी और वैलेंटाइंस नाइट जैसी फिल्मों में भी उन्होंने काम किया। फिल्मों के साथ पायल ने टेलीविजन पर भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। साल 2008 में वह बिग बॉस 2 में शामिल हुईं। शो में उनके बेबाक व्यवहार ने खूब सुर्खियां बटोरीं। इसके बाद उन्होंने राज पिछले जन्म का, जोर का झटका, सर्वाइवर इंडिया, नच बलिए 7 और बिग बॉस 7 जैसे कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। धारावाहिकों में भी उन्होंने काम किया, जिनमें हमने ली है शपथ, हमसफर्स, एजेंट राघव और सूर्यपुत्र कर्ण शामिल हैं। साल 2022 में पायल कंगना रनौत के रियलिटी शो लॉकअप में नजर आईं। यहां उन्होंने अपनी जिंदगी से जुड़े कई निजी किस्से साझा किए और अपने खेल से दर्शकों का ध्यान खींचा। वह शो की पहली रनरअप रहीं। पायल की निजी जिंदगी भी चर्चा में रही है।

ओट्टनथुल्लल देखकर मेरी आंखों में आंसू आ गए: सोना महापात्रा

मुंबई (यशभारत)। हाल ही में प्रसिद्ध गायिका सोना मोहपात्रा ने केरल में दीपावली का पावन पर्व मनाया। इस दौरान वे पारंपरिक कला रूप ओट्टनथुल्लल को देखकर मंत्रमुग्ध हो गईं। सोना मोहपात्रा ने इस अनूठी कला के बारे में विस्तार से बताते हुए अपने अनुभव साझा किए। सोना मोहपात्रा ने अपनी केरल यात्रा और इस शानदार प्रदर्शन को देखने की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। उन्होंने इसे संगीत, थिएटर, नृत्य, कविता, कॉमेडी और कहानी कहने का एक अद्भुत संगम बताया। गायिका ने अपने अनुभव में लिखा, केरल में हमारी शानदार दीपावली की छुट्टियों की एक छोटी-सी झलक। परिवार, त्योहार, खाना, बैकवाटर और भी बहुत कुछ, लेकिन इस यात्रा का सबसे बड़ा हाईलाइट ओट्टनथुल्लल का यह असाधारण प्रदर्शन है। दो कलाकार, एक मृदंगम, संगीत, थिएटर, नृत्य, कविता, कॉमेडी और कहानी कहने की पूरी दुनिया। इसे देखकर मैं मंत्रमुग्ध हो गई और आखिर में मेरी आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शन में द्रौपदी द्वारा भीम को खुशबूदार कल्याण सौगंधिकम फूल की खोज में भेजने की कहानी को इतने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया कि वे पूरी तरह से उसमें खो गईं। गायिका ने कलाकारों की अद्भुत प्रतिभा का वर्णन करते हुए बताया कि कैसे मुख्य कलाकार पलक झपकते ही एक किरदार से दूसरे किरदार में बदल रहे थे, केरल की लोक और शास्त्रीय संगीत परंपराओं से लिए गए बेहद मुश्किल गीतों को गा रहे थे, और अद्भुत शारीरिक ऊर्जा के साथ नृत्य कर रहे थे। उनके भाव, आवाज़, मूड और व्यक्तित्व को हैरान कर देने वाली आसानी से बदलने की क्षमता ने सबको चौंका दिया। एक गायिका के तौर पर, सोना इस सांस पर नियंत्रण और कलात्मक महारत को देखकर विश्वास नहीं कर पा रही थीं। उन्होंने मृदंगम वादक को वन-मैन ऑर्केस्ट्रा बताया, जो नाटकीय प्रभावों, लयबद्ध बातचीत, ठहराव और संगीत की शरारतों से भरा पूरा साउंडस्केप बना रहे थे, साथ ही कोरस की भूमिका भी निभा रहे थे। सोना ने बताया कि कैसे सिर्फ दो लोगों ने अपनी कला की महारत से पूरे दर्शकों को बांधे रखा। इस प्रदर्शन में कॉमेडी का भी एक अनूठा पहलू था ङ्क तेज, सहज और बेहद समझदारी भरी। कलाकार दर्शकों में से अनजान लोगों को चुनकर सबको कहानी में शामिल करते थे, और बिना किसी सस्ते अपमान के सबको हंसाते थे। सोना ने यह भी बताया कि यह कला सिर्फ मंदिर, ऑडिटोरियम या हेरिटेज फेस्टिवल तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि यह एक लिविंग रूम, शादी, कॉर्पोरेट कार्यक्रम, गांव के चौक या किसी अंतरराष्ट्रीय मंच को भी रोशन कर सकती है।





गुरमीत के लिए भावनाओं और लंबे जुड़ाव का सफर है मिर्जापुर

मुंबई (यशभारत)। निर्देशक गुरमीत सिंह के लिए वेब सीरीज मिर्जापुर केवल एक सफल प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भावनाओं और लंबे जुड़ाव का सफर है। गुरमीत सिंह का मानना है कि किसी भी फिल्म या सीरीज को बनाते समय सबसे जरूरी काम लेखक की मूल भावना को समझना और उसे पूरी ईमानदारी के साथ पर्दे पर उतारना है।

गुरमीत सिंह के मुताबिक, स्क्रिप्ट पढ़ते समय जो रोमांच और उत्साह महसूस होता है, वही अनुभव दर्शकों तक पहुंचना चाहिए। गुरमीत सिंह ने मिर्जापुर फ्रेंचाइजी और इससे जुड़ी फिल्म के रचनात्मक पक्ष पर बात करते हुए बताया कि इसकी कहानी निर्देशक के सामने काम करने के लिए काफी सामग्री और चुनौतियां रखती है। ऐसे में उनका ध्यान दूसरी छोटी-छोटी बातों के बजाय कहानी की मूल भावना पर रहता है। उनके अनुसार, जब स्क्रिप्ट मजबूत होती है और उसमें दर्शकों को बांधे रखने की क्षमता होती है, तो निर्देशक का मुख्य काम उसे सही तरीके से पर्दे पर प्रस्तुत करना होता है। उन्होंने बताया कि किसी भी कहानी को फिल्माने से पहले यह समझना जरूरी है कि लेखक ने कागज पर क्या लिखा है और उस विचार को दर्शकों के सामने किस रूप में पेश किया जा सकता है। वह चाहते थे कि स्क्रिप्ट पढ़ते समय उन्हें और उनकी टीम को जो उत्साह महसूस हुआ, वही उत्साह दर्शकों को भी देखने को मिले। उनके लिए निर्देशन का असली उद्देश्य कहानी के जादू को बिना अनावश्यक बदलाव के जीवंत करना है। गुरमीत सिंह ने यह भी

रहमान की संगीत प्रतिभा की घई ने की जमकर तारीफ

मुंबई (यशभारत)। हाल ही में बॉलीवुड फिल्म निर्माता और निर्देशक सुभाष घई ने संगीतकार ए. आर. रहमान के भारतीय संगीत उद्योग में अतुलनीय योगदान किया और उन्हें संगीत का वरदान बताया है। सोशल मीडिया पर घई ने रहमान के साथ एक तस्वीर साझा की, जिसमें उन्होंने रहमान की असाधारण संगीत प्रतिभा और किसी भी संस्कृति या शैली के अनुसार खुद को ढाल लेने की क्षमता की खूब सराहना की।

रहमान को घई ने हमारे ब्रह्मांड से मिली एक वरदान जैसी प्रतिभा कहकर संबोधित किया। इस दौरान सुभाष घई ने अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म ताल के लिए रहमान से संपर्क करने का एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पहली बार 1999 की इस फिल्म के लिए रहमान को संगीत का प्रस्ताव दिया तो वे काफी घबराए हुए थे। तत्कालीन परिस्थितियों को देखते हुए उन्हें यह आशंका थी कि रहमान शायद हिंदी फिल्मों के संगीत से उतना वाकिफ न हों या हिंदी गानों



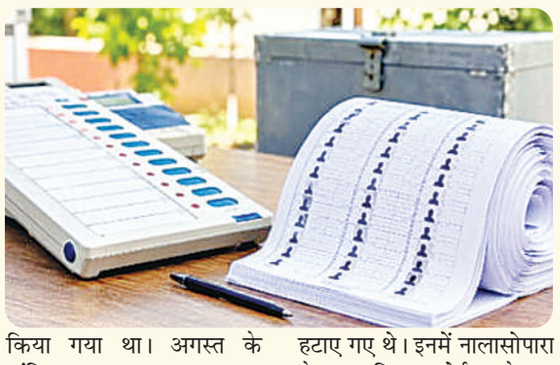
के लिए वे कितने सहज होंगे। हालांकि, उनकी चिंता तब थोड़ी दूर हुई जब रहमान ने उन्हें बताया कि उन्होंने कभी उनकी ही फिल्म हीरो के लिए बांसुरी बजाई थी। इस जानकारी से घई को राहत मिली और उन्हें विश्वास हो गया कि रहमान भारतीय संगीत की बारीकियों से अच्छी तरह परिचित हैं। सुभाष घई ने इस बात पर जोर दिया कि ए. आर. रहमान ने लगान, रंग दे बसंती और रॉकस्टार जैसी फिल्मों के माध्यम से बॉलीवुड की संगीत संस्कृति को पूरी तरह से बदल दिया। उनकी अद्वितीय संगीत रचनाओं ने हिंदी सिनेमा को एक नई दिशा दी और श्रोताओं को एक बिल्कुल नया अनुभव प्रदान किया।

उन्होंने यह भी बताया कि रहमान ने अपने हिंदी गाने जय हो के लिए प्रतिष्ठित ऑस्कर पुरस्कार भी जीता, जिससे भारतीय संगीत को वैश्विक मंच पर पहचान मिली। घई के अनुसार, ए. आर. रहमान में किसी भी देश और किसी भी संस्कृति की किसी भी आवाज़ को सीखकर उसे संगीत में बदल देने की अद्भुत क्षमता है। वे हर तरह की फिल्म और हर जगह के हर निर्देशक के साथ सफलतापूर्वक काम करते हैं।

पालघर में एसआईआर के तहत 1,400 नाम कटे

3.93 लाख संदिग्ध मतदाताओं में 99.65 फीसदी के नाम बरकरार, 30 नवंबर को अंतिम सूची

पालघर, यशभारत। जिले में विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। मतदाता सूची में विसंगति और तकनीकी गड़बड़ियों वाले 3,92,703 मतदाताओं के सत्यापन के बाद केवल 0.35 प्रतिशत यानी 1,400 से कम मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। इससे बड़ी संख्या में मतदाताओं को राहत मिली है।



जिले के 2,274 मतदान केंद्रों पर कुल 23,76,053 मतदाताओं का सत्यापन शुरू किया गया था। अगस्त के अंतिम सप्ताह तक 17.07 लाख मतदाताओं के नाम बरकरार रखे गए थे, जबकि संपर्क नहीं हो पाने के कारण 6.69 लाख नाम हटाए गए थे। इनमें नालासोपारा के 46 प्रतिशत, बोईसर के 34 प्रतिशत और वसई के 30 प्रतिशत मतदाता शामिल थे।

विसंगति वाले मतदाताओं में नालासोपारा के 1.60 लाख, बोईसर के 77 हजार, वसई के 69 हजार, पालघर के 42 हजार, डहाणू के 30 हजार और विक्रमगढ़ के 13 हजार मतदाताओं के नाम जांच के बाद कायम रखे गए हैं।

दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अवधि 13 नवंबर तक बढ़ाई गई है। इनका निपटारा 25 नवंबर तक होगा। अंतिम मतदाता सूची 30 नवंबर को जारी होगी। नए पंजीकरण, संशोधन और नाम हटाने के करीब 34 हजार आवेदन भी लंबित हैं।

स्वच्छता रैंकिंग में मीरा-भाईंदर को झटका

पिछले साल देश में था अव्वल, टॉप-3 से बाहर

मीरा-भाईंदर, यशभारत। स्वच्छता के मामले में देशभर में अव्वल रहने वाली मीरा-भाईंदर महानगरपालिका को इस बार बड़ा झटका लगा है। पिछले साल देश में पहला स्थान हासिल करने वाला शहर इस बार स्वच्छ सर्वेक्षण की शीर्ष तीन सूची में भी जगह नहीं बना सका। इतना ही नहीं, मनपा 'वाटर प्लस सिटी' का खिताब भी बरकरार नहीं रख पाई।



स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में 3 से 10 लाख आबादी वाली श्रेणी में मीरा-भाईंदर ने करीब चार हजार शहरों को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया था। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मनपा को प्रेसिडेंशियल अवॉर्ड प्रदान किया था। शहर की सफाई व्यवस्था और आधुनिक कचरा प्रबंधन मॉडल की देशभर में सराहना हुई थी। देहरादून नगर निगम के महापौर और आयुक्त भी यहां की सफाई परियोजनाओं का जायजा लेने आए थे।

मनपा ने 30वीं रैंक से शुरुआत कर लगातार सुधार करते हुए पहला स्थान हासिल किया था। इस बार भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन नतीजों ने निराश किया। अतिरिक्त आयुक्त डॉ. सचिन बांगर ने कहा कि मनपा पूरे साल स्वच्छता के लिए काम कर रही है और उन्हें अच्छी रैंकिंग मिलने का भरोसा है।

छठ पूजा के नाम पर राजनीति बंद करें -मनोज सिंह राजपूत



नवी मुंबई, यशभारत। मुंबई के गिरगांव चौपाटी पर छठ पूजा की अनुमति नहीं मिलने से आयोजकों में कुछ निराशा जरूर है, लेकिन इसे लेकर राजनीति करना उचित नहीं है। ऐसा माहौल बनाया जा रहा है, मानो मुंबई में छठ पूजा हो ही नहीं रही है। बिहार फाउंडेशन मुंबई के प्रवक्ता मनोज सिंह राजपूत ने राजनीतिक बयानबाजी करने वालों का विरोध करते हुए कहा कि छठ पूजा के नाम पर राजनीति बंद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार और मुंबई महानगरपालिका का आयोजकों को पूरा सहयोग मिल रहा है। मीरा-भाईंदर, नवी मुंबई, ठाणे, कल्याण-डोंबिवली और वसई-विरार महानगरपालिकाओं के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि भी सहयोग कर रहे हैं। पुणे, नागपुर और नासिक में भी छठ पूजा धूमधाम से मनाई जा रही है। राजपूत ने बताया कि बिहार फाउंडेशन देश के 24 बड़े शहरों में छठ पूजा का आयोजन कर रहा है। इसके अलावा अमेरिका, इंग्लैंड, जापान, न्यूजीलैंड, यूएई, हांगकांग, फ्रांस और जर्मनी सहित 31 देशों में इसकी शाखाएं हैं, जहां छठ महापर्व मनाया जाता है। उन्होंने छठ को प्राचीन और पर्यावरण के अनुकूल पर्व बताते हुए राजनीति से दूर रखने की अपील की।

भंगार चुनने की आड़ में चार महीने की बच्ची का अपहरण

सीसीटीवी फुटेज से मिला सुराग, महिला गिरफ्तार

ठाणे, यशभारत। ठाणे में चार महीने की बच्ची के अपहरण के मामले में पुलिस ने कलवा के सायबा नगर निवासी कमला दत्तू मोरे (52) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से बच्ची को सकुशल बरामद कर मां को सौंप दिया।

जानकारी के अनुसार, राजस्थान के उदयपुर स्थित हनुमान चौक निवासी चोंगालाल मांगीलाल बागरिया (27) माजीवाड़ा पुल के नीचे झाड़ू बेचकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। 7 नवंबर की सुबह 5 से 7 बजे के बीच उनकी चार महीने की बेटी का अपहरण हो गया। इसके बाद उन्होंने कासरवडवली पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल वारुडे के मार्गदर्शन में पांच पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने घटनास्थल, कापुरबावड़ी और कलवा रेलवे स्टेशन सहित विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जांच में मिले सुरागों के आधार पर पुलिस कलवा के सायबा नगर पहुंची और आरोपी महिला को हिरासत में लेकर बच्ची को बरामद कर लिया।

भिवंडी में एटीएम के एसी पर चोरों का हाथ साफ

चार केंद्रों से आठ एसी चोरी, 2.40 लाख का नुकसान

भिवंडी, यशभारत। भिवंडी शहर और तालुका क्षेत्र में चोरों ने चार एटीएम केंद्रों को निशाना बनाकर आठ एयर कंडीशनर और उनके आउटडोर यूनिट चुरा लिए। कशेली, कामतघर और राहनाल में हुई इन वारदातों में करीब 2.40 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। नारपोली पुलिस ने दो मामले दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस के अनुसार, कशेली स्थित नारायण हरी अपार्टमेंट के नीचे एसबीआई एटीएम से वोल्टास कंपनी के दो एसी और आउटडोर यूनिट चोरी हुए। इनकी कीमत 60 हजार रुपये है। दूसरी घटना में कामतघर रिक्शा स्टैंड के पास एचडीएफसी और एक्सिस बैंक तथा राहनाल स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम से छह एसी और आउटडोर यूनिट गायब कर दिए गए। इनकी कीमत 1.80 लाख रुपये बताई गई है। दोनों मामलों की जांच पुलिस हवलदार अजीत विनायक गुंजाल कर रहे हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालकर चोरों की तलाश कर रही है।

खुले में मांस-मछली बेची तो दुकान पर लटकेगा ताला

भिवंडी मनपा का सख्त रुख, नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों पर होगी कार्रवाई

भिवंडी, यशभारत। भिवंडी में खुले में मटन, चिकन, मछली और मांस बेचने वाले कारोबारियों की अब खैर नहीं है। महानगरपालिका प्रशासन ने ऐसे दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। नियमों का पालन नहीं करने पर दुकानों और कारोबार को बंद कराया जा सकता है।

मनपा प्रशासन के अनुसार, शहर में कई स्थानों पर मांस-मछली की दुकानें पूरी तरह बंद नहीं हैं और खुले में बिक्री की जा रही है। इससे आसपास दुर्गंध फैलने के साथ मक्खियों और अन्य कीटों का प्रकोप बढ़ने की आशंका है। ऐसी अस्वच्छ परिस्थितियां नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकती हैं।

मनपा ने सभी संबंधित कारोबारियों को निर्देश दिया है कि वे अपनी दुकानों का निर्माण स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी मानकों के अनुसार करें। दुकानों का बिक्री क्षेत्र पूरी तरह ढका और बंद होना चाहिए। सड़क या सार्वजनिक स्थानों की ओर खुले में मांस-मछली की बिक्री नहीं होनी चाहिए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्देशों की अनदेखी करने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर उनकी दुकानें और कारोबार बंद भी कराए जाएंगे।

जन्मदिन पर तलवार से केक काटना पड़ा भारी

वीडियो वायरल होने पर पुलिस की कार्रवाई, दो युवकों के खिलाफ मामला दर्ज

भिवंडी, यशभारत। जन्मदिन समारोह में तलवार लहराकर केक काटने का शौक दो युवकों को भारी पड़ गया। सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो प्रसारित होने के बाद भिवंडी शहर पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, गणेशनगर कामतघर निवासी राहुल डोलस का जन्मदिन 9 नवंबर को था। इस अवसर पर शाम को आयोजित समारोह में उसके मित्र आदित्य कदम ने केक काटने के बहाने तलवार हवा में लहराई। आरोप है कि राहुल और आदित्य ने जन्मदिन समारोह



की आड़ में तलवार का प्रदर्शन कर इलाके में दहशत फैलाने की कोशिश की। युवाओं में सोशल मीडिया पर अपनी छवि चमकाने के लिए इस तरह के हथकंडे अपनाने का चलन बढ़ता जा रहा है।

घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया। पुलिस की ओर से दर्ज शिकायत के आधार पर राहुल डोलस और आदित्य कदम के खिलाफ भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। जांच कर रहे पुलिस कांस्टेबल सचिन तखीक ने दोनों आरोपियों को नोटिस जारी किया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

कलभोण गांव में डेंगू का प्रकोप

20 से अधिक बीमार, तीन मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव, स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की जांच

वसई, यशभारत। वसई (पूर्व) के मेढे-वडघर ग्राम पंचायत क्षेत्र के कलभोण गांव में डेंगू जैसे लक्षणों वाले मरीजों की संख्या बढ़ने से ग्रामीणों में चिंता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, गांव में 20 से अधिक लोग बीमार हैं। इनमें से अधिकांश का अंबाड़ी, वाडा और वसई के निजी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। जांच में तीन मरीजों के डेंगू संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। ग्रामीणों के मुताबिक, कई मरीजों को बुखार, शरीर में दर्द और कमजोरी की शिकायत है।

कुछ के प्लेटलेट्स कम होने की जानकारी भी सामने आई है। स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची है। टीम मच्छरों के प्रजनन स्थलों की जांच करने के साथ लक्षण वाले मरीजों के रक्त के नमूने लेकर जांच कर रही है।

वसई के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्याम जुनगरे ने बताया कि डेंगू के मरीजों की जानकारी मिलने पर टीम भेजी गई है। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सर्वेक्षण और नियमित कीटनाशक छिड़काव की मांग की है।

टिटवाला में पैतृक जमीन के लिए खूनी वारदात

पिता और भाई को मारी गोली, आरोपी गिरफ्तार



कल्याण, यशभारत। टिटवाला के गुरवलीपाड़ा परिसर में पैतृक जमीन में हिस्सा नहीं मिलने से नाराज युवक ने अपने ही पिता और भाई पर गोली चला दी। इस हमले में बालाराम शेलार और उनके बेटे भरत शेलार गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए जुपिटर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी कल्पेश शेलार पिछले डेढ़ साल से परिवार से अलग रह रहा था। वह पैतृक संपत्ति में अपना हिस्सा मांग रहा था। हिस्सेदारी को लेकर परिवार में जब भी बातचीत होती, विवाद की स्थिति बन जाती थी। मंगलवार को कल्पेश अपने पिता के घर पहुंचा। वहां उसने पिता और भाई को गोली मार दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार होने की फिराक में था।

घटना की सूचना मिलते ही कल्याण ग्रामीण पुलिस ने तत्काल जाल बिछाया और आरोपी कल्पेश को गिरफ्तार कर लिया। इस वारदात से परिसर में सनसनी फैल गई है। मामले की विस्तृत जांच टिटवाला पुलिस कर रही है।

दिवाली के बाद फिर कचरे से पटा मिलापनगर तालाब

निर्माल्य से लेकर देवी-देवताओं की तस्वीरें तक फेंकीं, जलीय जीवों पर मंडराया खतरा

डोंबिवली, यशभारत। दिवाली के बाद डोंबिवली एमआईडीसी स्थित मिलापनगर तालाब की बदहाली फिर सामने आई है। तालाब परिसर में निर्माल्य, प्लास्टिक, नारियल, दीये, पटाखों के अवशेष और देवी-देवताओं की तस्वीरें व मूर्तियां फेंके जाने से जलस्रोत प्रदूषित हो रहा है। पिछले चार-पांच दिनों से यहां जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं। पटाखों के रासायनिक अवशेषों से पानी की गुणवत्ता प्रभावित होने और जलीय जीवों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। इससे पहले भी तालाब में मछलियां मृत पाई जा चुकी हैं।



तालाब परिसर में कचरा और धार्मिक सामग्री नहीं फेंकने के सूचना फलक लगे हैं। प्रवेश द्वारों पर ताले होने के बावजूद कुछ लोग सुरक्षा दीवार और बाड़ के ऊपर से कचरा फेंक रहे हैं। स्थानीय नागरिकों की शिकायतों के बाद केडीएमसी अधिकारियों ने तालाब का दौरा किया था। सामाजिक संस्थाओं ने संरक्षण के सुझाव भी दिए, लेकिन आरोप है कि मनपा ने केवल अस्थायी सफाई कराई। नियमित निगरानी के लिए कर्मचारी तैनात करने की मांग भी लंबित है। मिलापनगर रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन और रोटरी क्लब ने तालाब के संरक्षण की जिम्मेदारी देने की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि केवल सफाई अभियान से तालाब नहीं बचेगा। कचरा फेंकने वालों पर कार्रवाई और नियमित निगरानी के साथ सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी जरूरी है। जलसंकट के भविष्य के खतरे को देखते हुए इस प्राकृतिक जलस्रोत को बचाना बेहद आवश्यक है।

दीपावली की रात से ठाणे में आग का कहर

24 घंटे में पांच जगह आग की घटनाएं और गैस रिसाव से मचा हड़कंप

ठाणे, यशभारत। दीपावली की रात से ठाणे शहर में आग लगने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। अब तक तीन दर्जन से अधिक आग की घटनाएं दर्ज हो चुकी हैं। बुधवार दिन और रात के दौरान भी पांच अलग-अलग स्थानों पर आग लगने और गैस रिसाव की घटनाओं से हड़कंप मच गया। हालांकि, इन घटनाओं में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मनपा आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, बुधवार रात 10.44 बजे कोलशेत खाड़ी रोड स्थित तरिचा पाड़ा के एक परिसर में रखे कबाड़ में आग लग गई। बालकुम दमकल दल ने मौके पर पहुंचकर रात 12.20 बजे आग पर काबू पाया। रात 1.50 बजे स्टेशन रोड स्थित वैद्य इमारत में लखनवी चिकनकारी कला की दुकान के ऊपर बने कमरे और प्लास्टिक के तिरपाल में आग लग गई। इसमें कपड़े, गद्दे और लकड़ी की मेज जल गई। सुबह 2.30 बजे आग बुझाई गई।



इसके अलावा शीलफाटा की झींगालाला इमारत की छत पर रखे कबाड़ और कलवा के मनीषा नगर तरणताल के पास कचरे के ढेर में आग लगी। पांचपाखाड़ी की रघु आनंद सोसायटी के फ्लैट नंबर 501 में रसोई गैस सिलेंडर से रिसाव होने पर दमकलकर्मियों ने सिलेंडर अपने कब्जे में ले लिया। सभी घटनाओं में दमकल दल ने समय रहते स्थिति नियंत्रित कर ली।

छेड़छाड़ का विरोध करने पर युवती को ट्रेन से दिया धक्का

लोकल की चपेट में आने से गंवाया बायां हाथ, आरोपी गिरफ्तार



भाईंदर, यशभारत। मुंबई की लोकल ट्रेन में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बोरीवली से विरार जा रही लोकल में छेड़छाड़ का विरोध करने पर एक युवती को कथित तौर पर धक्का दे दिया गया। 4 नवंबर की शाम नायगांव स्टेशन पर हुई इस घटना में युवती ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच पटरी पर गिर गई। ट्रेन की चपेट में आने से उसका बायां हाथ बुरी तरह कुचल गया। डॉक्टरों को उसकी जान बचाने के लिए हाथ काटना पड़ा।

पीड़िता के अनुसार, बोरीवली स्टेशन पर भारी भीड़ के कारण वह दिव्यांग डिब्बे में सवार हुई थी। इसी डिब्बे में 53 वर्षीय जितेंद्र हिरमुखे भी मौजूद था। आरोप है कि सफर के दौरान उसने युवती से छेड़छाड़ की। नायगांव स्टेशन पर दोबारा अभद्रता करने पर युवती ने विरोध किया और आरोपी को चप्पल मार दी। इसी दौरान विवाद बढ़ा और आरोपी ने उसे धक्का दे दिया।

हादसे के बाद यात्रियों और एक पुलिसकर्मी की मदद से युवती को प्लेटफॉर्म पर लाया गया। आरोपी मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने उसे 9 नवंबर को नायगांव (पूर्व) के वाकी पाड़ा स्थित घर से गिरफ्तार किया। घटना का वीडियो भी सामने आया है। शुरुआत में मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक संदीप गायकवाड़ कर रहे थे। परिजनों ने उन पर आरोपी की मदद करने का आरोप लगाया, जिसके बाद वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गणपत तुम्बाडा ने जांच अपने हाथ में ले ली। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 117(2) और 352 के तहत मामला दर्ज किया है। परिजनों ने हत्या के प्रयास की धारा 109 जोड़ने की मांग की है। मनसे पदाधिकारियों ने भी रेलवे पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलकर उचित धाराएं लगाने की मांग उठाई है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

14 नवंबर से डोंबिवली में गूंजेगी श्रीराम कथा

विष्णुकांत शास्त्री जी महाराज करेंगे कथा वाचन



डोंबिवली, यशभारत। नारायण सेवा मंडल के तत्वावधान में 14 नवंबर से डोंबिवली (प.) के मोठागांव स्थित लोकमान्य तिलक प्राथमिक विद्यालय में भव्य श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। काशी के प्रखर मानस वक्ता विष्णुकांत शास्त्री जी महाराज भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों और आदर्शों का भावपूर्ण वर्णन करेंगे। प्रतिदिन शाम 5 से रात 10 बजे तक श्रद्धालु कथा का श्रवण कर सकेंगे।

मंडल अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्र ने बताया कि आयोजन की प्रेरणा उन्हें श्री हनुमान जी महाराज की कृपा से मिली है। उन्होंने रामभक्तों और धर्मप्रेमियों से बड़ी संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण का पुण्य लाभ लेने की अपील की है। आयोजन की संकल्पना मनोज तिवारी, आकाश चंद्रमणि चौबे और नंदू गुप्ता सहित अन्य सहयोगियों ने की है।

स्वच्छता में पहला स्थान बरकरार रखना हम सबकी जिम्मेदारी - गणेश नाईक

नवी मुंबई, यशभारत। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में देश के 4,751 शहरों में प्रथम स्थान हासिल करने वाली नवी मुंबई की उपलब्धि पर वन मंत्री गणेश नाईक ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में हासिल किए गए इस शीर्ष स्थान को बरकरार रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।



गणेश नाईक ने इस उपलब्धि के लिए जनप्रतिनिधियों, महानगरपालिका प्रशासन, सफाई कर्मचारियों और शहरवासियों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि तीसरे स्थान से पहले स्थान तक पहुंचने का सफर वर्षों की मेहनत और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। यह पुरस्कार वह नवी मुंबई के नागरिकों को समर्पित करते हैं।

उन्होंने कहा कि जलापूर्ति, शिक्षा, उद्यान, अस्पताल, मल-निस्सारण, कचरा प्रबंधन और परिवहन जैसी सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाएगा। यातायात की समस्या दूर करने के लिए विक्रोली से कोपरखैरणे तक प्रस्तावित ऊंचे पुल के मुद्दे पर जल्द ही एमएमआरडीए के साथ बैठक होगी। घणसोली और नेरुल में भी नाट्यगृह बनाए जाएंगे। बढ़ती आबादी पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि शहर की बुनियादी सुविधाओं पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ना चाहिए। प्रभाव आकलन रिपोर्ट तैयार होने तक शहरी नवीनीकरण योजना का विरोध जारी रहेगा।

स्वामी,मुद्रक, प्रकाशक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस यूनिट न.04 ग्राऊंड फ्लोर एन.के. इंडस्ट्रियल गोरेगांव (E) मुम्बई से मुद्रित एवं 616/डी विंग फ्लोरल डेक प्लाजा परिसर सीएचएसएल, सेंट्रल एमआईडीसी रोड के सामने, अंधेरी ईस्ट मुंबई 400093 से प्रकाशित संपादक आशीष कुमार शुक्ला,स्थानीय संपादक विल्फ्रेड डिसूजा* महाप्रबंधक अरुणा राजेंद्र जैन,आर.एन. आई. नं. MHHIN/25/1223/A1161 समाचार चयन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार* Email ID- mumbaiyashbharat@gmail.com फोन- 8767063789, 9967216271 (न्यायालय क्षेत्र अधिकार मुम्बई महाराष्ट्र)